



ख़ास ख़बर

जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में दो जवान घायल

■ श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में शुक्रवार को आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में सुरक्षा बलों के दो जवान घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद बांदीपोरा जिले के कुलनारा बाजीपोरा इलाके में घेराबंदी एवं तलाश अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि वहां छिपे आतंकवादियों ने सुरक्षाकर्मियों पर गोलीबारी कर दी जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई।

एनआईए की टीम पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए पुणे के व्यक्ति के घर गई

■ पुणे। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की एक टीम ने दक्षिण कश्मीर के पर्यटन स्थल पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा मार डाले गए 26 लोगों में शामिल पुणे निवासी संतोष जगदाले के घर का शुक्रवार को दौरा किया। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने विस्तृत जानकारी दिए बिना बताया कि एनआईए की चार सदस्यीय टीम जगदाले के कार्वेनगर स्थित घर पहुंची और उनके परिवार के सदस्यों से पूछताछ की। एनआईए 22 अप्रैल के नरसंहार की जांच कर रही जम्मू कश्मीर पुलिस को सहायता प्रदान कर रही है।

राजस्थान में भीषण गर्मी का दौर जारी रहने की संभावना

■ जयपुर। राजस्थान के अधिकतर भाग भीषण गर्मी की चपेट में है और यह दौर अभी जारी रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार आगामी कुछ दिनों में राज्य के अनेक हिस्से लू की चपेट में रहेंगे। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार शुक्रवार सुबह तक के चौबीस घंटे में राज्य में मौसम शुष्क रहा तथा जयपुर व जोधपुर संभाग में कहीं-कहीं लू का प्रकोप देखा गया। सर्वाधिक अधिकतम तापमान वाड्मेर में 44.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।



वक्फ निक्कायों में मुस्लिम सदस्यों का भारी बहुमत होगा: केंद्र

■ नई दिल्ली

केंद्र ने शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय में इस दावे से इनकार किया कि संशोधित कानून के तहत, समग्र मुस्लिम जनजात को समझिए... आप जालों की सफाई पर ध्यान दें और हज़ा ग़ुज़ारदों की सफाई पर ध्यान दें। और न से गैर-मुस्लिम, वे संप्रेश

बोर्ड में मुस्लिम सदस्यों की बहुतायत होगी। इसमें कहा गया है कि संशोधित अधिनियम में सीडब्ल्यूसी में कुल 22 सदस्य होंगे, जिनमें से अधिकतम चार गैर-मुस्लिम हो सकते हैं। इसमें दलील दी गई, अतः गैर-मुस्लिम सदस्य स्पष्ट रूप से अल्पसंख्यक हैं। दूसरी ओर, एसडब्ल्यूसी में कुल 11 सदस्य होंगे, जिनमें से अधिकतम तीन गैर-मुस्लिम हो सकते हैं। इसमें कहा गया कि साफ है कि निकाय में गैर मुस्लिम अल्पसंख्यक होंगे। वक्फ की अवधारणा को महज धार्मिक संप्रदायों या पूजा स्थलों से अलग बताते हुए केंद्र ने न्यायिक फैसलों की ओर इशारा किया, जिनमें वक्फ बोर्ड को धर्मनिरपेक्ष निकाय माना गया है, न कि मुस्लिमों का प्रतिनिधि निकाय। हलफनामे में कहा गया, केंद्रीय वक्फ परिषद (जिसमें कुल 22 सदस्य होते हैं) के मामले में अधिकतम चार सदस्य गैर-मुस्लिम हो सकते हैं। यदि पदेन अध्यक्ष यानी संबंधित मंत्री और सरकार का संयुक्त सचिव जो कि पदेन भी होता है, मुस्लिम हो तो केवल दो सदस्य ही गैर-मुस्लिम हो सकते हैं। न्यायालय ने कहा कि वक्फ की अवधारणा समय के साथ विकसित हुई है और इसे केवल धार्मिक संस्थाओं और पूजा स्थलों तक सीमित नहीं माना जा सकता। इसके अलावा, सरकार ने तर्क दिया कि वक्फ की व्यापक समझ के महानजर, अन्य धार्मिक संस्थाओं या बंदोबस्ती अधिनियमों के साथ समानताएँ स्थापित करना अनुचित होगा।



अधिकतम तीन गैर-मुस्लिम हो सकते हैं। इसमें कहा गया कि साफ है कि निकाय में गैर मुस्लिम अल्पसंख्यक होंगे। वक्फ की अवधारणा को महज धार्मिक संप्रदायों या पूजा स्थलों से अलग बताते हुए केंद्र ने न्यायिक फैसलों की ओर इशारा किया, जिनमें वक्फ बोर्ड को धर्मनिरपेक्ष निकाय माना गया है, न कि मुस्लिमों का प्रतिनिधि निकाय।

अटारी-वाघा सीमा से पाकिस्तानी नागरिकों का स्वदेश लौटना जारी

■ चंडीगढ़

पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर केंद्र सरकार द्वारा पाकिस्तानी नागरिकों को देश छोड़ने के लिए 48 घंटे का समय दिए जाने के बाद पाकिस्तानी नागरिकों का पंजाब के अमृतसर में अटारी-वाघा सीमा चौकी मार्ग से स्वदेश लौटना जारी है। हालांकि, पाकिस्तान में ब्याही गई लेकिन भारतीय पासपोर्टधारक कुछ महिलाओं ने आरोप लगाया कि आवश्यक दस्तावेज साथ रखने के बावजूद उन्हें वापस जाने में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि वे भारत में अपने रिश्तेदारों से मिलने आई थीं, लेकिन सरकार द्वारा पाकिस्तानी नागरिकों को

देश छोड़ने के लिए 48 घंटे की समयसीमा तय किए जाने के बाद उन्हें वापस लौटना पड़ रहा है, लेकिन वे सीमा पार नहीं कर पा रहे हैं। दक्षिण कश्मीर के अर्नतनाग जिले में लोकप्रिय पर्यटन शहर पहलगाम के पास शुक्रवार दोपहर आतंकवादियों द्वारा की गई गोलीबारी में 26 लोग मारे गए, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे और कई घायल हो गए। केंद्र ने पहलगाम हमले के तार सीमा पार से जुड़े होने के मद्देनजर बुधवार को पाकिस्तानी सैन्य अताशों को निष्कासित करने, 1960 की सिंधु जल संधि को निलंबित करने और अटारी भूमि-चौकी को तत्काल बंद करने सहित कई कदमों की घोषणा की।

अमानवीय तत्वों ने पहलगाम में देश की आत्मा पर हमला किया: सिंधिया

■ नई दिल्ली

पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देते हुए दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शुक्रवार को कहा कि अमानवीय तत्वों ने बिना यह समझे भारत की आत्मा पर प्रहार किया कि चुनौती मिलने पर देश और तेजी से उठता है। क्रांति टेक्नोलॉजी विषय पर एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिंधिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आतंकियों और उनके आकाओं को जवाब देगा। प्रधानमंत्री मोदी ने वृहत्संविचार को कहा था कि पहलगाम के हमलावरों और उनके आकाओं को खोजकर उनकी कल्पना से बड़ी सजा दी जाएगी। सिंधिया ने कहा कि पहलगाम में हुआ हमला अमानवीय



तत्वों द्वारा किया गया एक क्रूर जघन्य हमला था जिसमें मासुस लोग मारे गए। उन्होंने कहा, उन अमानवीय लोगों ने हमारी आत्मा पर हमला किया। लेकिन वे यह नहीं समझते कि जब देश के सामने चुनौतियाँ हों तो वह और तेजी से तथा और ऊँचा उठता है। सिंधिया ने कहा, मुझे विश्वास है कि भारत उठेगा। हम सबको विश्वास है कि हम भारत के लोग, हर राज्य, हर धर्म, हर समुदाय के लोग एक स्वर में एकजुट हैं और हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इन तत्वों को जवाब देंगे।

पहलगाम हमला सिब्वल ने पीएम मोदी से संसद का विशेष सत्र आहूत करने का आग्रह किया

नई दिल्ली। राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्वल ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से संसद का विशेष सत्र बुलाकर पहलगाम आतंकी हमले की निंदा करते हुए एक प्रस्ताव पारित करने तथा दुनिया को यह संदेश देने का आग्रह किया कि देश एकजुट है। सिब्वल ने सरकार को सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों के सांसदों के प्रतिनिधिमंडलों को विभिन्न महत्वपूर्ण देशों में भेजने का भी सुझाव दिया, ताकि पाकिस्तान पर कूटनीतिक दबाव बनाया जा सके। केंद्रीय मंत्री ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सुझाव दिया कि अमेरिका की तरह भारत को भी पाकिस्तान के साथ व्यापार करने वाले सभी प्रमुख देशों को यह बताना चाहिए कि यदि वे पाकिस्तान के साथ व्यापार करते हैं तो हमारे साथ कारगोर न करें। 1972 में जुल्फिकार अली भुट्टो ने कहा था कि हम भारत को हजार घाव देकर खून से लथपथ कर देंगे। राज्यसभा के निर्दलीय सदस्य ने कहा, मैं इस संदर्भ में प्रधानमंत्री को सुझाव देना चाहता हूँ कि वह संसद का विशेष सत्र बुलाएं और इस पर चर्चा करें। देश आपके साथ खड़ा है। विपक्ष आपके साथ है क्योंकि यह भारत की संप्रभुता पर हमला है।



मेरे बेटे को घर ले आइए : पाकिस्तान रेंजर्स की हिरासत में मौजूद बीएसएफ जवान के माता-पिता ने कहा

■ हुगली

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवान पूर्णम साहू के पाकिस्तान रेंजर्स की हिरासत में होने की खबर आने के बाद से उनके (साहू के) परिवार बंगाल के रिसड़ा की संकरी गलियों में स्थित घर पर एक अजीब सी शांति पसर गई है। परिवार के लोगों की आंखों से आंसू धमने का नाम नहीं ले रहे हैं और वे ईश्वर से अपने बेटे के लौटने की दुआ कर रहे हैं। व्याकुल परिवार को बस यही आस है कि उनके घर का चिराग वापस आ जाए। जवान के पिता भोलानाथ साहू ने कहा, मेरा बेटा देश की सेवा कर रहा था और अब हमें यह भी नहीं पता कि वह सुरक्षित है या नहीं। हमने सुना है कि वह पाकिस्तान की हिरासत में है। पड़ोसी साहू के पास आकर उन्हें सांत्वना देते हैं। उन्होंने कहा, मैं बस यह जानना चाहता हूँ कि मेरा बेटा कहां है। क्या वह सुरक्षित है? क्या वह ठीक है? पंजाब के फिरोजपुर सेक्टर में बीएसएफ की 182वीं बटालियन में तैनात पूर्णम साहू वही हैं थे और उनके पास उनका सर्विस रजिस्टर भी था। बुधवार को वह कथित तौर पर अनजाने में सीमा पार कर गए थे। बीएसएफ अधिकारियों के अनुसार, घटना उस वक़्त हुई जब साहू सीमा के पास किसानों के एक समूह की खा के लिए उनके साथ थे। वह एक पेड़ के नीचे आराम करने के लिए चले गए और अनजाने में पाकिस्तानी क्षेत्र में प्रवेश कर गए। उन्हें तुरंत पाकिस्तान रेंजर्स ने हिरासत में ले लिया। अधिकारियों ने वृहत्संविचार रत को पुष्टि की कि साहू की रिहाई को लेकर बातचीत करने के लिए भारतीय और पाकिस्तानी सीमा बलों ने फ्लैग मीटिंग की, लेकिन परिवार को इस बारे में कोई और जानकारी नहीं मिली। भोलानाथ ने धरतीवासी आवाज में कहा, मेरा बेटा तीन हफ्ते पहले ही छुट्टी से लौटा था। उन्होंने कहा, अब वह फिर से चला गया है और हमें नहीं पता कि आगे क्या होगा, वह कब घर वापस आएगा।



अपने दो कमरों वाले संकरे घर में पूर्णम की पत्नी रजनी खबर मिलने के बाद से मुश्किल से ही बात कर पा रही हैं। उन्होंने दवे स्वर में कहा, उन्होंने मुझे मंगलवार रात को फोन किया था। रजनी ने कहा, वह आखिरी बार था जब मैंने उनकी आवाज सुनी थी।

भारत पाकिस्तान में पानी की एक भी बूंद नहीं जाने देगा: पाटिल



■ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई एक उच्च स्तरीय बैठक के बाद जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल ने शुक्रवार को कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने की रणनीति पर काम कर रही है कि भारत से पानी की एक भी बूंद पाकिस्तान में न जाने पाए। पाटिल ने पीटीआई-भाषा को बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कई निर्देश जारी किए हैं और उन पर अमल के लिए यह बैठक आयोजित की गई। उन्होंने बताया कि शाह ने बैठक में इन निर्देशों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कई सुझाव दिए। उन्होंने कहा, हम यह सुनिश्चित करेंगे कि भारत से पानी की एक भी बूंद पाकिस्तान में न जाने पाए। शाह ने मंगलवार को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ 1960 की सिंधु जल संधि को स्थगित रखने संबंधी भारत के फैसले के बाद भविष्य की कार्रवाई पर चर्चा के लिए बैठक की। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे जिनमें ज्यादातर पर्यटक शामिल थे। पाटिल ने बाद में एक्स

सिंधु जल संधि जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए सबसे अनुचित दस्तावेज : उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को कहा कि पहलगाम हमले के मद्देनजर केंद्र द्वारा पाकिस्तान के साथ स्थगित की गई सिंधु जल संधि का शासित प्रदेश के लोगों के लिए सबसे अनुचित दस्तावेज है और वे कभी भी इसके पक्ष में नहीं रहे हैं। अब्दुल्ला ने यहां विभिन्न पर्यटन, व्यापार और उद्योग निक्कायों के साथ बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा, भारत सरकार ने कुछ कदम उठाए हैं। जहां तक जम्मू-कश्मीर का सवाल है, ईमानदारी से कहें तो हम कभी भी सिंधु जल संधि के पक्ष में नहीं रहे हैं। पहलगाम में हुए हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिसके बाद भारत ने बुधवार को पाकिस्तान के साथ राजनयिक संबंधों में कटौती की और कई उपायों की घोषणा की, जिनमें पाकिस्तानी सैन्य सलाहकार (अताशे) को निष्कासित करना, 1960 की सिंधु जल संधि को स्थगित करना और अटारी-वाघा सीमा पारगमन चौकी को तत्काल बंद करना शामिल है। सिंधु जल संधि पर केंद्र के फैसले के बारे में पूछे जाने पर अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर का हमेशा से मानना रहा है कि सिंधु जल संधि उसके लोगों के लिए सबसे अनुचित दस्तावेज रहा है। उन्होंने कहा, अब इसके मध्यम से दीर्घकालिक निहितार्थ क्या होंगे, यह देखने के लिए हमें इंतजार करना होगा। यह पूछे जाने पर कि क्या सरकार टट्टावाले सैयद आदिल हुसैन शाह की बहदुरी को पुरस्कृत करेगी, जो मारे जाने से पहले सशस्त्र आतंकवादियों के खिलाफ खड़ा हुआ था, अब्दुल्ला ने कहा, विस्फुल। उन्होंने कहा, वह (शाह) न केवल कश्मीरियत के बल्कि कश्मीरी आतिथ्य के प्रतीक हैं और यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम न केवल उन्हें और उनके परिवार को पुरस्कृत करें, बल्कि उस स्मृति को अनंत काल तक जीवित रखें।



पर एक पोस्ट में लिखा, मोदी सरकार द्वारा सिंधु जल संधि पर लिया गया ऐतिहासिक निर्णय पूर्णतः न्यायसंगत और स्पष्ट है। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि सिंधु नदी का एक बूंद पानी भी पाकिस्तान में नहीं जाए। सूत्रों ने बताया कि सरकार अपने निर्णयों के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए दीर्घकालिक योजना पर काम कर रही है।

सूत्रों ने बताया कि पाटिल के अलावा कई मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में शामिल हुए। भारत ने पहले ही पाकिस्तान को संधि को तत्काल प्रभाव से स्थगित रखने संबंधी अपने निर्णय से अवगत कर दिया है और कहा है कि पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर को सीमा पार से लगातार आतंकवाद के जरिए निशाना बनाकर संधि की शर्तों का उल्लंघन किया है।

श्री सत्य साई बाबा की जन्म शताब्दी पर 100 रथ का रथारक सितक जारी करेगी

नई दिल्ली। भारत सरकार आध्यात्मिक गुरु श्री सत्य साई बाबा की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में सौ रूपए का रथारक सितका जारी करेगी। साई बाबा ने सभी धर्मों की एकता पर जोर दिया और सत्य, सही आचरण, शांति, प्रेम तथा अहिंसा के मानवीय मूल्यों का प्रचार किया। सौ रूपए मूल्यवर्ग का सितका केवल बाबा की जन्म शताब्दी के अवसर पर केंद्र सरकार के अधिकार के तहत टिकसाल (सितका) में ही जारी किया जाएगा।

इसरो के पूर्व अध्यक्ष के. कस्तूरीरंगन का निधन

■ नई दिल्ली

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व अध्यक्ष के. कस्तूरीरंगन का शुक्रवार को बेंगलुरु में निधन हो गया। वह 84 वर्ष के थे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इसरो के पूर्व प्रमुख महत्वाकांक्षी नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को तैयार करने वाली मसौदा समिति के अध्यक्ष थे। अधिकारियों ने बताया, आज सुबह बेंगलुरु स्थित उनके आवास पर उनका निधन हो गया। अंतिम दर्शन के लिए उनके पार्थिव शरीर को 27 अप्रैल को सन रिसर्च इंस्टीट्यूट (आरआरआई) में रखा जाएगा। एनईपी में सूचीबद्ध शिक्षा



सुधारों में के प्रणेता के रूप में जाने जाने वाले कस्तूरीरंगन ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के कुलाधिपति और कर्नाटक नॉलेज कमीशन के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया था। उन्होंने राज्यसभा के सदस्य (2003 से 2009) और भारत के तत्कालीन योजना आयोग के सदस्य के रूप में भी अपनी सेवाएं दी थीं।

मोदी ने उनके योगदान की सराहना की

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कस्तूरीरंगन के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए एक्स पर एक पोस्ट में कहा, भारत की वैज्ञानिक और शैक्षिक भावना में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले डॉ. के. कस्तूरीरंगन के निधन से मुझे गहरा दुख हुआ है। उनके दूरदर्शी नेतृत्व और राष्ट्र के प्रति निस्वार्थ योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया।

सराहनीय है आउटसोर्सिंग कार्मिकों की सेवाभावना और कर्तव्यपरायणता

वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में हुई थी घोषणा, निगम के गठन के लिए मुख्यमंत्री ने दिए दिशा-निर्देश

संवाददाता । लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य में कार्यरत आउटसोर्सिंग कार्मिकों की सेवा, श्रम अधिकारों एवं पारिश्रमिक की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम के गठन के निर्देश दिए हैं। शुक्रवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करते हुए कहा कि राज्य सरकार आउटसोर्सिंग कार्मिकों के श्रम के सम्मान व जनहित में किए जा रहे कार्यों की सराहना करती है और उनकी सामाजिक व ईपीएफ/ईएसआई जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ न मिल पाना, पारदर्शी

चयन प्रक्रिया का अभाव, उत्पीड़न आदि शिकायतें प्राप्त होती हैं। ऐसे में व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन किया जाना आवश्यक है। प्रस्तावित निगम के स्वरूप पर चर्चा करते हुये मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी कर्मचारी को सेवा प्रदाता एजेंसी द्वारा तब तक सेवा से नहीं हटाया जाए, जब तक कि सम्बंधित विभाग के सक्षम अधिकारी की संसुति न हो। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक माह की 5 तारीख तक सभी कार्मिकों के बैंक खाते में पूरा पारिश्रमिक जमा हो जाए। साथ ही, ईपीएफ व ईएसआई की राशि भी समय से जमा हो। नियमों के उल्लंघन पर एजेंसियों पर ब्लैकलिस्टिंग, डिबार, पेनाल्टी व वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। निगम का गठन करते हुए इस संबंध में स्पष्ट प्रावधान होने चाहिए। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिये कि आउटसोर्सिंग निगम के माध्यम से होने वाली सभी नियुक्तियों में नियमानुसार आरक्षण



- मुख्यमंत्री का निर्देश, आउटसोर्सिंग कार्मिकों को भी मिले मेडिकल सुविधा, मातृत्व अवकाश, दुर्घटना बीमा, पेंशन एवं पारिवारिक पेंशन सहित सभी लाभ**
- मुख्यमंत्री का अधिकारियों को निर्देश, आउटसोर्सिंग नियुक्तियों में सुनिश्चित करायें आरक्षण प्रावधानों पालन**

प्रावधानों का पालन किया जाए। इसी प्रकार, मेडिकल सुविधा, मातृत्व अवकाश, दुर्घटना बीमा, पेंशन एवं पारिवारिक पेंशन सहित सभी लाभ निगम के माध्यम से सुनिश्चित किये जाएं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर बनने जा रहे इस

निगम के माध्यम से तीन पक्षीय समझौते के तहत विभाग, निगम व आउटसोर्सिंग एजेंसी के बीच समन्वित रूप से सभी प्रक्रियाएं संचालित होंगी। पारदर्शी चयन प्रक्रिया, जेम पोर्टल से एजेंसियों का चयन, मेरिट आधारित भर्ती, आधुनिक

तकनीकों का प्रयोग, ईपीएफ/ईएसआई की समयबद्ध जमा व निगरानी तथा आरक्षण नियमों का पालन सुनिश्चित होगा। उन्होंने कहा कि निगम एक सुगठित ढांचा के तहत कार्य करेगा, जिसमें बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स, सलाहकार समिति, राज्य व जिला स्तरीय कमेटियाँ गठित होंगी। जेम पोर्टल द्वारा तीन वर्षों के लिए आउटसोर्सिंग एजेंसियों का चयन किया जाना उचित होगा, लेकिन यह सुनिश्चित किया जाए कि कार्यरत वर्तमान कार्मिकों की सेवाएं बाधित नहीं होंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सभी कार्मिकों की गरिमा, सुरक्षा और सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के लिए संकल्पित है। यह निगम न केवल प्रशासनिक व्यवस्था में पारदर्शिता लाएगा, बल्कि लाखों आउटसोर्सिंग कार्मिकों के जीवन में स्थायित्व व भरोसा प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस संबंध में आवश्यक प्रस्ताव तैयार कर यथारोष प्रस्तुत किया जाए।

मदरसों को मान्यता देने के लिए कड़ाई से नियमों का हो पालन: योगी

प्रदेश में 13,329 मान्यता प्राप्त मदरसे संचालित, जिनमें 12,35,400 छात्र-छात्राएं हैं अध्ययनरत

संवाददाता । लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मदरसा शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधारों की आवश्यकता जताई है। शुक्रवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में प्रदेश की मदरसा शिक्षा व्यवस्था की गहन समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि मदरसा, महज मजहबी शिक्षा के केंद्र बनकर न रह जाए। वहां अध्ययनरत विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा के सभी आयामों का लाभ मिलना चाहिए। मदरसा शिक्षा को पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण और रोजगारपरक बनाया जाना चाहिए। हर एक विद्यार्थी का भविष्य उज्ज्वल हो, यह सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल सुधार नहीं, बल्कि नवाचार और समावेशिता के माध्यम से मदरसा शिक्षा को मुख्यधारा में लाना है, जिससे समाज के प्रत्येक वर्ग को समान अवसर और समुचित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मा. सर्वोच्च न्यायालय द्वारा मदरसा बोर्ड की कामिल (स्नातक) व फाजिल (प्रास्नातक) स्तर की डिग्रियों को असंवैधानिक घोषित कर दिये जाने से चुनौतियां उत्पन्न हुई हैं। इसी प्रकार, मान्यता के मानक एवं शर्तों को शिक्षा विभाग के स्कूलों के समरूप बनाने हेतु तथा नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप मदरसों के पाठ्यक्रम में बदलाव और पाठ्यक्रम के अनुरूप शिक्षक/शिक्षणेत्तर कर्मियों की अर्हता में परिवर्तन आवश्यक है। यही नहीं, शिक्षकों की चयन प्रक्रिया को भी निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने की जरूरत है। यही नहीं, वर्तमान व्यवस्था में मदरसों में शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया भी पुनरीक्षण की आवश्यकता है। ऐसे में निदेशक, अल्पसंख्यक कल्याण, उ.प्र. की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया जाए, जिसमें बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, वित्त, न्याय एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभागों के विशेष सचिव सदस्य हों। यह समिति मदरसों के सुचारु संचालन और शिक्षकों की सेवा-सुरक्षा तथा विद्यार्थियों के उच्चल भविष्य के लिए आवश्यक बदलावों पर अपनी संसुति देगी।

भारत छोड़ो आंदोलन में पूर्व मुख्यमंत्री स्व. हेमवती नंदन बहुगुणा ने निभायी सक्रिया भूमिका: सीएम योगी

संवाददाता । लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. हेमवती नंदन बहुगुणा की जयंती पर योजना भवन स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्पजली अर्पित की। इस दौरान पूर्व सांसद रीता बहुगुणा जोशी, विधायक डॉ. नीरज बोरा, भाजपा नेता अविनाश विवेदी आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व मुख्यमंत्री स्व. हेमवती नंदन बहुगुणा को याद करते हुए कहा कि वह एक महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। भारत छोड़ो आंदोलन में सक्रिय भूमिका की वजह से उन्हें ब्रिटिश सरकार की यातना



झेलनी पड़ी थी। वर्ष 1952 में पहली बार उत्तर प्रदेश विधानसभा के सदस्य बन करके उन्होंने सार्वजनिक जीवन में प्रवेश किया था। उन्होंने प्रदेश सरकार में मंत्री, मुख्यमंत्री बनने के बाद केंद्रीय मंत्री के रूप में अनेक मंत्रालयों को अपना नेतृत्व क्षमता का परिचय दे करके प्रदेश और देश के विकास में अपना योगदान दिया है। स्व. बहुगुणा का जन्म उत्तराखंड में हुआ था। उन्होंने गांव से स्कूनी शिक्षा अर्जित की। इसके बाद उच्च शिक्षा के लिए प्रयागराज आ गए। यहां उच्च शिक्षा प्राप्त करने के साथ आजादी के आंदोलन से जुड़ गए। सीएम ने कहा कि उन्होंने प्रदेश और देश के विकास के लिए जो योगदान दिया है उनकी स्मृतियों को लगातार हमारी सरकार आगे बढ़ रही है।

राजकाज

मात्र 43 दिन में घोषित हुए यूपी बोर्ड के परिणाम

- हाईस्कूल का परिणाम 90.11% और इंटर का 81.15% रहा**
- हाईस्कूल में यश प्रताप और इंटर में महक जायसवाल टॉपर**
- बेटियों ने फिर मारी बाजी, बेटियों का उत्तीर्ण प्रतिशत बेटों से अधिक**
- मुख्यमंत्री ने सभी उत्तीर्ण परीक्षार्थियों को दी बधाई और बेहतर भविष्य के लिए दी शुभकामना**
- सीएम योगी की मंशा के अनुरूप नकलविहीन और शुचितापूर्ण रही पूरी परीक्षा प्रक्रिया**

संवाददाता । लखनऊ/प्रयागराज

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद ने शुक्रवार को वर्ष 2025 की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षाओं का परिणाम घोषित कर दिया। योगी सरकार की सक्रियता और पारदर्शी व्यवस्था के चलते इस बार सिर्फ 43 दिनों में परीक्षा परिणाम घोषित कर नया कीर्तिमान स्थापित किया गया। हाईस्कूल के समस्त परीक्षार्थियों का उत्तीर्ण प्रतिशत 90.11 रहा, जबकि इंटरमीडिएट का उत्तीर्ण प्रतिशत 81.15 रहा। इंटरमीडिएट में महक जायसवाल, बच्चा राम यादव इंटर कॉलेज, भुलाई का पुरा (प्रयागराज) ने 97.20% अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, हाई स्कूल में यश प्रताप सिंह, रव0 श्रीमती रसकेंद्री देवी इंटर कॉलेज, उमरी (जालौन) ने 97.83% अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। हर बार की तरह इस बार भी लड़कियों ने बेहतर प्रदर्शन किया है। हाई स्कूल में बालिकाओं का उत्तीर्ण प्रतिशत बालकों के उत्तीर्ण प्रतिशत से 7.21 अधिक है। वहीं, इंटरमीडिएट में बालिकाओं का उत्तीर्ण प्रतिशत बालकों के उत्तीर्ण प्रतिशत से 9.77 अधिक है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी उत्तीर्ण परीक्षार्थियों को बधाई दी है और उनको बेहतर भविष्य के लिए शुभकामना दी है।

हाईस्कूल परीक्षा परिणाम

कुल परीक्षार्थी: 25,45,815 (1327024 बालक, 1218791 बालिकाएं)
उत्तीर्ण परीक्षार्थी: 22,94,122
कुल उत्तीर्ण प्रतिशत: 90.11%
बालकों का उत्तीर्ण प्रतिशत: 86.66%
बालिकाओं का उत्तीर्ण प्रतिशत: 93.87%

बालिकाओं का प्रदर्शन बालकों से 7.21% अधिक

इंटरमीडिएट परीक्षा

परिणाम :

कुल परीक्षार्थी: 25,98,560 (1387263 बालक, 1211297 बालिकाएं)
उत्तीर्ण परीक्षार्थी: 21,08,774
कुल उत्तीर्ण प्रतिशत: 81.15%
बालकों का उत्तीर्ण प्रतिशत: 76.60%
बालिकाओं का उत्तीर्ण प्रतिशत: 86.37%
बालिकाओं ने बालकों को 9.77% से पछड़ा

जेल में निरुद्ध बंदी परीक्षार्थी भी हुए उत्तीर्ण
विभिन्न जेलों में निरुद्ध बंदी परीक्षार्थी भी हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाओं में उत्तीर्ण हुए। हाईस्कूल में कुल मिलाकर ऐसे 94 परीक्षार्थियों ने बोर्ड एग्जाम दिए, जिनमें से 91 उत्तीर्ण हुए। उत्तीर्ण प्रतिशत 96.81 प्रतिशत रहा। इसी तरह, इंटरमीडिएट में कुल 105 बंदी परीक्षार्थी एग्जाम में बैठे, जिनमें 91 उत्तीर्ण हुए। उत्तीर्ण छात्रों का कुल प्रतिशत 86.67 प्रतिशत रहा।

पीएम अजय की ग्रांट-इन-एड योजना को सीएम युवा से जोड़ेगी योगी सरकार

- सीएम युवा से एससी वर्ग की महिलाओं को मिलेगा नई उड़ान का मौका**

संवाददाता । लखनऊ

योगी सरकार अनुसूचित जाति के प्रतिभा बनाने के लिए एक और बड़ा कदम उठाने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अश्रुदय योजना (पीएम-अजय) के तहत संचालित ग्रांट-इन-एड योजना को मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (सीएम युवा) से जोड़ा जाए। इससे अनुसूचित जाति के युवाओं खासकर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हुए उन्हें व्यवसाय की और प्रोत्साहित करने में मदद मिलेगी। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित ग्रांट-इन-एड योजना को और प्रभावी बनाने के लिए सीएम योगी ने स्पष्ट किया है कि इस योजना को रोजगारपरक प्रशिक्षण से जोड़ते हुए इसका क्रियान्वयन इस प्रकार किया जाए जिससे लाभार्थी अनुदान राशि का प्रभावी और उत्पादक उपयोग कर सकें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि इस प्रक्रिया में महिला लाभार्थियों को विशेष प्राथमिकता दी जाए।

अनुदान की राशि को

मार्जिन मनी के तौर पर

उपयोग कर सकेंगे नए

उद्यमी

इस योजना के तहत अनुसूचित जाति के लाभार्थियों को क्लस्टर मॉडल पर समूहबद्ध कर रोजगारोन्मुखी परियोजनाओं की स्थापना कराई जाती है। प्रत्येक लाभार्थी को अधिकतम 50,000 रुपये या प्रोजेक्ट लागत का 50 प्रतिशत, जो भी कम हो, सहयता अनुदान के रूप में प्रदान किया जाता है।

संवाददाता । अयोध्या

भीषण गर्मी में भी प्रदेश में पेयजल का संकट नहीं होने पाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्पष्ट निर्देश है कि एक एक ग्रामीण परिवार को निरन्तर एवं निर्बाध रूप से शुद्ध पेयजल आपूर्ति कराई जाए। इसके लिए 24 घंटे अलर्ट मोड में रहने का निर्देश भी जारी किया गया है। जल आपूर्ति के लिए सभी मण्डलायुक्त अपने स्तर पर बैठक कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित कराएंगे। इसके साथ ही शासन की ओर से प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों को पत्र भेजा गया है।

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में रहने वाले परिवारों को निरंतर शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए कमर कस ली है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का उद्देश्य है कि प्रदेश के किसी भी ग्रामीण क्षेत्र में पानी की कमी या संकट की स्थिति न उत्पन्न होने पाए। सभी मण्डलायुक्तों को अपने स्तर पर

- यूपी में आगामी भीषण गर्मी की स्थिति में ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की निरन्तर आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी**
- सभी मण्डलायुक्त अपने स्तर पर बैठक कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित कराएंगे**
- तहसील, थाना, अस्पताल, आंगनबाड़ी केंद्रों पर भी रहेगी पेयजल की व्यवस्था**
- शासन की ओर से प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों को भेजा गया पत्र**
- नगामि गांवों तथा ग्रामीण जल आपूर्ति के अंतर्गत बनाई गई योजना**
- सभी जिलों में उपलब्ध पेयजल स्रोतों, बांधों, जलाशयों एवं नदियों को सुचारु रूप से संचालित किया जाएगा**

बैठकें कर पेयजल आपूर्ति की सतत निगरानी



और त्वरित समाधान की जिम्मेदारी दी गई है। तहसील, थाना, अस्पताल, आंगनबाड़ी केंद्रों पर भी पेयजल की व्यवस्था रहेगी।

पाइप पेयजल योजनाओं का पूर्ण उपयोग

राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि जो पाइप पेयजल योजना का अधिकतम उपयोग कर हर घर तक शुद्ध पानी पहुंचाया जाएगा। जहां निर्माण कार्य लंबित है, वहां वैकल्पिक स्रोतों से जल आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी।

सुबह 7 बजे फील्ड पर निकल पड़े नये नगर आयुक्त फिर...!

वर्क मैकेनिज्म को समझा, सड़क नाले-नालियों की सफाई व्यवस्था देखी

संवाददाता । लखनऊ

नगर निगम के नवागत नगर आयुक्त गौरव कुमार शुक्रवार सुबह सात बजे के करीब ही निरीक्षण करने निकले। वर्क मैकेनिज्म को समझने के लिए अन्य अधिकारियों के साथ शहर में सड़क और नाले नालियों की सफाई देखी। इस दौरान अनियमितता पाए जाने पर जोन छह के जोनल अधिकारी मनोज यादव ने लॉयन सिवयोरिटी कंपनी को कारण बताओ नोटिस जारी किया। विनीत खंड छह स्थित पीसीटीएस सेंटर और ग्वारी चौराहा स्थित एमआरएफ सेंटर का निरीक्षण किया। इसके बाद गोमतीनगर स्थित स्मार्ट वेडिंग जोन पहुंचे। जोन चार स्थित वर्क शॉप का जायजा लेने के लिए बाद अधिकारियों के काम के बारे में जानकारी ली।

शुक्रवार सुबह जोन दो में अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया गया। कार्रवाई

केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर के सामने नगर निगम की जोनल अधिकारी शिल्पा कुमारी ने की। फूल मंडी से लेकर चरक चौराहा होते हुए ट्रॉमा सेंटर के सामने तक के क्षेत्र में अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई हुई। इस अभियान में पर्यावरण अभियंता संजीव प्रधान, जोनल सेनेटरी ऑफिसर राम सकल यादव सहित जोन दो के कई अधिकारी मौजूद रहे।

नगर निगम की टीम ने सार्वजनिक मार्गों और फुटपाथों पर कब्जा कर व्यवसाय कर रहे दुकानदारों और ठेलेवालों के खिलाफ सख्ती बरती। ट्रॉमा सेंटर के सामने और आस-पास के इलाकों में लंबे समय से अवैध अतिक्रमण की वजह से ट्रैफिक जाम की गंभीर समस्या बनी हुई थी। केजीएमयू जैसे बड़े अस्पताल के पास लगातार लगने वाले जाम के कारण न केवल आमजन को परेशानी होती थी, बल्कि आपातकालीन सेवाओं, विशेषकर एंबुलेंस को भी समय पर अस्पताल पहुंचने में बाधा आती



थी। मरीजों और उनके परिजनों को रोजाना इस अराजकता से गुजरना पड़ता था।

कार्रवाई के दौरान टीम ने कुल 7 बेंच, 4 ठेले, 22 स्टूल, 3 छोटे व बड़े सिलेंडर समेत

अन्य अवैध सामग्री को जब्त किया। यह सामान सड़क और फुटपाथ पर अवैध रूप से रखा गया था, जिससे आवागमन में बाधा उत्पन्न हो रही थी। जब्त सामान को नगर निगम के

गोदाम में सुरक्षित जमा कराया गया। इसके अलावा, टीम ने फूल मंडी क्षेत्र में गंदगी फैलाने वाले 9 ठेला संचालकों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए कुल 3900 रुपये का चालान किया।

लॉयन सिवयोरिटी को कारण बताओ नोटिस जारी!

नगर निगम लखनऊ, जोन छह में जोनल अधिकारी मनोज यादव ने निरीक्षण के दौरान पाया कि मेन रोड पर सफाई कार्यदायी संस्था लॉयन सिवयोरिटी के कुछ कर्मचारी अवैध रूप से ठेले लगाकर कूड़ा बीन रहे थे। इस पर जोनल ने कार्रवाई करते हुए दोनों ठेलों को जब्त कर लिया।

मौके पर काम कर रहे कर्मचारियों को तत्काल हटाने का निर्देश दिया। सुपरवाइजर को भी पर्द से हटाने का निर्देश दिया।। साथ ही संस्था को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

लखनऊ

लोक भारती इंटर कॉलेज के विद्यार्थियों ने बोर्ड परीक्षा में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

संवाददाता । लखनऊ

लोकभारती इंटर कॉलेज, गीतापल्ली, आलमबाग, लखनऊ के विद्यार्थियों ने इस बार भी यूपी बोर्ड की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। विद्यालय की हाई स्कूल छात्रा मोहनी वर्मा ने 88 प्रतिशत, दिव्यांश शर्मा ने 84 प्रतिशत, प्रतिज्ञा कनौजिया ने 83 प्रतिशत अंकों के साथ बोर्ड परीक्षा में बेहतरीन प्रदर्शन किया।

वही इंटर की बोर्ड परीक्षा में छात्र अक्षय वाजपेई 76 प्रतिशत, अंशिका ठाकुर 74 प्रतिशत ,सानिया अली 73 प्रतिशत तथा सावित्रा बानो 70 प्रतिशत अंकों के साथ सफल सफल हुए। विद्यालय की संस्थापक प्रधानाचार्य

ममता दीक्षित ने बताया कि हर बार की तरह इस बार भी हमारे विद्यालय का रिजल्ट शत प्रतिशत रहा है। ममता दीक्षित ने कहा कि जिन विद्यार्थियों ने बोर्ड परीक्षा में विद्यालय का नाम रोशन किया वे सभी समाज के मध्यम वर्ग से आते हैं .घर के सीमित संसाधनों के बीच इन विद्यार्थियों ने विद्यालय में अपने अध्यापकों के निर्देशन में कड़ी मेहनत की जिसका नतीजा आज सामने है। विद्यालय के निदेशक नमन दीक्षित ने कहा कि लोकभारती इंटर कॉलेज का विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर पूरा ध्यान रहता है जिससे न केवल वह पढ़ाई में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं बल्कि अपने जीवन में बड़ी सफलताएं भी हासिल कर पाते हैं।

वाद्य यंत्रों के खरीद में शासकीय धन का दुरुपयोग

संस्कृति निदेशालय के सहायक निदेशक व वैयक्तिक सहायक निलम्बित

संवाददाता । लखनऊ

विशेष सचिव संस्कृति की अध्यक्षता में गठित पांच सदस्यीय समिति की जांच रिपोर्ट में ग्रामसभाओं में वितरित किये जाने वाले वाद्य यंत्रों के खरीद में एवं शासकीय धन का दुरुपयोग तथा अशोभमानक गुणवत्ता पाये जाने पर संस्कृति निदेशालय के सहायक निदेशक डॉ. राजेश अहिंवार तथा वैयक्तिक सहायक संस्कृति निदेशालय कुलदीप सिंह को दोषी पाये जाने पर तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया गया है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि वाद्य यंत्रों के खरीद के सम्बंध में जांच समिति की आख्या को देखते हुए प्रथम

दृष्ट्या पाया गया कि डॉ. अहिंवार सहायक निदेशक एवं वैयक्तिक सहायक कुलदीप सिंह भ्रष्टाचार, वित्तीय अनियमितता एवं खरीद प्रक्रिया में अनियमितता बरतने के दोषी पाए गए। इन दोनों कर्मियों ने अपर निदेशक संस्कृति निदेशालय द्वारा दिये गये निर्देशों का अनुपालन नहीं किया, जिससे वाद्य यंत्रों की दर का निर्धारण करने का आधार न होने के कारण वाद्य यंत्र अत्यधिक ऊँचे दर पर क्रय किया गया, जिससे शासकीय धनराशि का दुरुपयोग हुआ। संस्कृति निदेशालय के इन दोनों कर्मियों के निलम्बन आदेश 24 अप्रैल, 2025 को प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति मुकेश मेश्राम की ओर से जारी कर दिये गये हैं।

लोहिया संस्थान ने निकाला शान्ति

मार्च, दुखद घटना की निंदा की



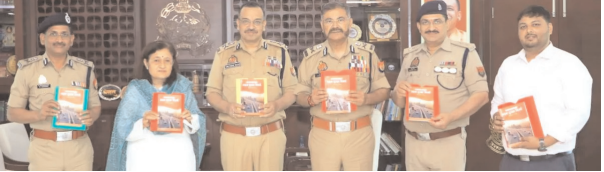
संवाददाता । लखनऊ

हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में कई निदोष लोगों की जान चली गई। इस दुखद घटना पर शोक व्यक्त करने और दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि देने के लिए डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्था न्यूज संघ ने शुक्रवार को शाम चार बजे शान्ति मार्च निकाला और दो मिनट का मौन रखा गया।

शोक सभा में उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान

संस्थान के निदेशक, प्रो0 (डॉ0) सी0एम0 सिंह ने कहा, इस दुखद घटना से हमें गहरा दुख पहुंचा है। शान्ति मार्च में संस्थान के न्यूज संघ के महामंत्री,न्यूज संवर्ग, समस्त संविदा कर्मी,समस्त टेक्निकल संवर्ग और समस्त गैर शैक्षणिक कर्मचारी उपस्थित थे। सभी ने एकजुट होकर इस दुखद घटना की निंदा की और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। सभी ने एकस्वर से श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि हम पहलगाम हमले में दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि देते हैं और पीड़ित परिवारों के साथ खड़े हैं।

डीजीपी ने किया सड़क सुरक्षा विमर्श पुस्तक का विमोचन



यातायात सुरक्षा के सामाजिक-आर्थिक प्रभावों और निवारण पर केंद्रित है पुस्तक

संवाददाता । लखनऊ

डीजीपी प्रशांत कुमार ने शुक्रवार सड़क सुरक्षा विमर्श नामक पुस्तक का विमोचन किया। यह पुस्तक अपर पुलिस अधीक्षक एवं पुलिस महानिदेशक के स्टाफ ऑफिसर पूर्णेश सिंह द्वारा लिखित है। विमोचन कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति रही। इस पुस्तक में भारत में सड़क सुरक्षा और यातायात की वर्तमान स्थिति का व्यापक विश्लेषण किया गया है। खास बात यह है कि लेखक ने न सिर्फ सड़क दुर्घटनाओं के कारण और उनके रोकथाम के उपायों पर ध्यान केंद्रित किया है, बल्कि इन दुर्घटनाओं के सामाजिक और आर्थिक प्रभावों को भी विस्तार से रेखांकित किया है। पुस्तक में सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों, ऑटोमोबाइल कंपनियों द्वारा चलाई जा रही परियोजनाओं, मोटर ट्रेनिंग स्कूलों और उनसे संबंधित गतिविधियों का संकलन भी प्रस्तुत किया गया है। साथ ही, संयुक्त राष्ट्र और वैश्विक

संस्थाओं द्वारा इस क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों को भी पुस्तक में सम्मिलित किया गया है, जो इसे एक उपयोगी सन्दर्भ ग्रंथ बनाता है। लेखक ने सुरक्षित सड़क यातायात परिवेश, प्रदूषण के विविध पहलुओं और आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था की भूमिका को भी प्रकाश डाला है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों जैसे कि जागरूकता अभियान, सड़क सुरक्षा सप्ताह और अन्य सस्कारी पहलों का भी उल्लेख किया गया है। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार ने अपेक्षा जताई कि इस पुस्तक को पुलिस प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए ताकि दुर्घटनाओं के निवारण में सक्षम हो सकें और सड़क सुरक्षा की दिशा में और अधिक प्रभावी भूमिका निभा सकें। कार्यक्रम में पुलिस महानिदेशक, प्रशिक्षण निदेशालय, अपर पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) और अपर पुलिस महानिदेशक (यातायात) सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

लाल की जगह पलाई ऐश ईटो का हो प्रयोग: वन मंत्री

संवाददाता । लखनऊ

प्रदेश के वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरूण कुमार सक्सेना की अध्यक्षता में प्रदेश में लाल ईट की जगह पर अन्य विकल्पों के प्रयोग के तहत शुक्रवार को बापू भवन स्थित कार्यालय कक्ष में एक बैठक की गई। मंत्री ने कहा कि पर्यावरणीय दृष्टिकोण से निर्माणकारी गतिविधियों में लाल ईट के प्रयोग के कारण कुछ प्रमुख समस्यायें उपजती हैं, जैसे कि ईट बनाये जाने में ईंधन में फॉसिल फ्यूल (कोयले का प्रयोग होता है), जिससे कि पार्टिकुलेट मैटेरियल, सल्फर आक्सिडेंट्स तथा कार्बन आक्सिडेंट्स की समस्या परिवेशीय वायु में घुल जाते हैं। वहीं टॉप स्वाइल का प्रयोग होने के कारण स्वाइल डिप्रेसेशन भी व्यापक स्तर पर होता है।

उन्होंने कहा कि लाल ईट के अतिरिक्त फ्लाई ऐश ईट के प्रयोग के संबंध में भारत सरकार द्वारा वर्ष 1999 तथा वर्ष 2021 में नोटिफिकेशन जारी किए गए हैं, जिसके क्रम में पर्यावरण विभाग उग्र सरकार द्वारा समस्त सरकारी निर्माणकारी संस्थाओं को उपरोक्त नोटिफिकेशन के अनुपालन को गाइडलाइन



पर्यावरण संरक्षण के तहत यह जरूरी कदम, संबंधित विभाग अमल करें

दिये गये हैं। आगे कहा कि भारत सरकार के नोटिफिकेशन में दर्शाया है कि टॉप स्वाइल को बचाने के लिए तथा मिट्टी खनन को नियंत्रित करने के लिए निर्माणकारी गतिविधियों में फ्लाई ऐश युक्त बिल्डिंग मैटेरियल का प्रयोग किया जाए।

प्रदेश में चल रही विभिन्न निर्माणकारी परियोजनाओं में यथासम्भव अधिकतम रूप से लाल ईट के विकल्पों का प्रयोग किया जाए तथा ग्रामीण परियोजनाओं में गलियों, ग्रामीण मार्गों इत्यादि में लाल ईट के स्थान पर ब्लॉक पेवर्स का प्रयोग हो।

बैठक में अध्यक्ष उग्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड आरपी सिंह ने लाल ईट के विकल्पों से सभी को अवगत कराया। जिसमें से मुख्य विकल्प फ्लाई ऐश ब्रिक्, कम्प्रेस्ड स्टेब्ल्वाइड्स अर्थ ब्लॉक (सीएईबी), ऑटोक्लेव्ड एरेटेड कंक्रीट ब्लॉक (एएससी), इण्टरलॉकिंग ब्लॉक्स, हॉलो कंक्रीट ब्लॉक्स इत्यादि अवगत कराये गए। उनके द्वारा नोयडा में विभिन्न निर्माणकारी परियोजनाओं में प्रयोग हो रहे विकल्पों के संबंध में फोटोग्राफ के साथ विवरण प्रस्तुत किया गया।

औषधियों के लिए घातक हो सकता है बढ़ता तापमान: सुनील यादव

संवाददाता । लखनऊ

बढ़ता तापमान, लू जहां मानव जीवन के लिए घातक साबित हो सकती है, वहीं जीवन रक्षक दवाओं के लिए भी घातक हो सकती है। आपको उन दवाओं को घर लाते समय सावधान रहने की जरूरत है, जिन्हें उचित भंडारण की आवश्यकता होती है। उद्योग में दवा उत्पादन और आपूर्ति के समय बढ़ता तापमान सामुदायिक फार्मासिस्टों, औद्योगिक फार्मासिस्टों के साथ-साथ निर्माण इकाइयों और दवा ट्रांसपोर्टों के लिए चिंता का विषय है और इस पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

ये जानकारी देते हुए फार्मसिस्ट फेडरेशन के अध्यक्ष सुनील यादव ने कहा कि बढ़ते तापमान पर विभिन्न देशों में किए गए शोध को ध्यान में रखा जा सकता है। भारत की भौगोलिक परिस्थितियां बहुत अलग हैं और आर्थिक और सामाजिक स्तर पर भी कई असमानताएं हैं, इसलिए फार्मासिस्टों द्वारा आम जनता को जागरूक करना आवश्यक है।

यादव ने फार्मासिस्ट फेडरेशन की एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि बढ़ते तापमान का दवाओं पर प्रभाव विषय पर नियमित सेमिनार व



जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यादव ने बताया कि फेडरेशन ने फार्मासिस्ट समुदाय और आम जनता को बढ़ते तापमान के बारे में जागरूक करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का अभियान शुरू किया है, जिसके तहत पहले चरण में एडवाइजरी जारी की जा रही है। सामुदायिक, अस्पताल, क्लीनिकल, औद्योगिक फार्मासिस्टों के लिए ऑनलाइन सेमिनार भी आयोजित किए जाएंगे, जिसमें विषय विशेषज्ञ विस्तृत जानकारी देंगे।

फेडरेशन के वैज्ञानिक विंग के अध्यक्ष एम्स नई दिल्ली के प्रो. डॉ.

हरलोकेश यादव ने कहा कि फेडरेशन बढ़ते तापमान का दवाओं की गुणवत्ता पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर चिंतित है। अधिकांश ओटीसी और प्रिस्क्रिप्शन दवाओं में सक्रिय रसायन उच्च तापमान पर तीव्र प्रतिक्रिया करते हैं। बहुत लंबे समय तक उच्च तापमान के संपर्क में रहने से दवा खराब हो सकती है और यह अप्रभावी या हानिकारक भी हो सकती है। यदि आपको दवा लंबे समय तक उच्च तापमान के संपर्क में रही है, तो इसका उपयोग करने से पहले अपने फार्मासिस्ट या स्वास्थ्य सेवा प्रदाता से संपर्क करना आवश्यक है।

आठ पाकिस्तानी नागरिक वापस लौटे

लखनऊ। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद देश सहित राज्यों में मौजूद सुरक्षा एजेंसियां सकर्क हो गई हैं। राजधानी में भी अपने रिश्तेदारों से मिलने आठ नागरिक आये हुए थे। जिनमें पांच इ तत्काल बाद सरकार के सख्त रवैये को देखते हुए लौट गए,जबकि बचे हुए तीन को लौटने के निर्देश दिए गए हैं। यह सभी लोग बिजिट वीजा पर रिश्तेदारों से मिलने आए थे। डीजीपी प्रशांत कुमार ने सभी जिलों के पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया है कि पाकिस्तानी नागरिकों को जल्द से जल्द उनके देश लौटाना जाए। लखनऊ पुलिस ऐसे भारतीय नागरिकों पर भी नजर बनाए हुए है जिनके पाकिस्तानी नागरिकों से संबंध हैं। पाकिस्तान से बड़ी संख्या में हिंदू नागरिक भारत आकर नागरिकता के लिए आवेदन कर चुके हैं। शॉर्ट टर्म और लॉन्ग टर्म वीजा पर उनका भारत आना-जाना लगा रहता है। इनके रजिस्ट्रेशन की जिम्मेदारी जिला एसपी की होती है, जबकि एफआरआरओ (फॉरेन रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिस) इसका डेटा संकलित करता है। हाल ही में केंद्र सरकार के निर्देश पर लोकल इंटीलजेंस यूनिट एलआईडी ने जिलों में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों का ब्योरा जुटाना शुरू किया है। पाकिस्तानी नागरिकों की एक बड़ी तादाद वीजा न लेकर नेपाल के रास्ते भारत में घुसपैठ करती है। सीमा हैदर जैसे कई मामलों ने सुरक्षा एजेंसियों को चौकन्ना कर दिया है। बांग्लादेशियों के मुकाबले इनकी संख्या कम है, लेकिन खतरा उतना ही बड़ा है। कई घुसपैठिए भारतीय दस्तावेज बनावा लेते हैं, जिससे उनकी पहचान करना मुश्किल हो जाता है।

मुस्लिम मंच ने कैंडल मार्च निकाला

लखनऊ। पहलगाम (कश्मीर) में शहीद हुए भारतीयों के लिए उच्च न्यायालय की अपर शासकीय अधिवक्ता नुसरत जहां ने श्रद्धांजलि सभा और कैंडल मार्च निकाला। उन्होंने कहा कि कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने निदोष लोगों को निशाना बनाकर अपनी कार्रगना हस्तकृत का परिचय दिया है। इस अवसर पर शहनाज फातिमा ने कहा कि आज पूरे देश में कश्मीर के पहलगाम की घटना को लेकर आक्रोश है। हिंदू मुस्लिम सिख इसाई सभी लोग इस घटना की कटु शब्दों में निंदा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को आतंकवादियों और उनके मददगारों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। आयोजन में मुख्य रूप से मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के राष्ट्रीय संयोजक रजा हुसैन रिजवी और अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। इसके अलावा कार्यक्रम की संयोजिका उच्च न्यायालय की अपर शासकीय अधिवक्ता नुसरत जहां, अपर शासकीय अधिवक्ता प्रथम अनिरुद्ध कुमार सिंह, अन्य अधिवक्तागण बिलावल वारीसी, बाहुल कमार सिद्दीकी, अमित कुमार, मोहम्मद इमरान खान, धर्मेन्द्र कुमार शर्मा, कैप्टन सैम, सैकुलुह खान, अपर शासकीय अधिवक्ता प्रथम अनिरुद्ध कुमार सिंह, शहनाज फातिमा, आरशा खान मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

मेयर ने रेलवे अधिकारियों को लिखा पत्र

रेलवे ट्रैक किनारे बांग्लादेशी और रोहिंग्या द्वारा ठिकाना बनाने का आरोप

संवाददाता । लखनऊ

मेयर सुषमा खर्कवाल ने रेलवे ट्रैक के किनारे बसों अवैध झुगियों को हटाने की मांग की है। उन्होंने मामले में डीआरएम उत्तर रेलवे और पूर्वोत्तर रेलवे की पत्र लिखा। कहा है कि ये लोग अवैध ढंग से रेलवे पटरियों के किनारे रह रहे हैं। इस कारण अग्रिय दुर्घटना की स्थिति बन रही है। लखनऊ में पिछले कुछ दिनों में कभी दरवाजा रखने तो कभी पटरी पर लकड़ी रखने का मामला सामने आया है। मामले में मेयर ने बिजली विभाग को भी पत्र लिखकर अवैध झुगी झोपड़ी का कनेक्शन काटने की मांग की है।

मेयर ने दावा किया कि इन अवैध झुगियों में बड़ी संख्या में रोहिंग्या, बांग्लादेशी और अरमिया घुसपैठिया



रहते हैं। इनकी जांच कर कार्रवाई की जाए। आरोप है कि ये लोग अवैध तरीके से रेलवे की जमीन पर झोपड़ियां बनाकर रह रहे हैं, जिससे न सिर्फ रेलवे की संपत्तियों को नुकसान पहुंचने का खतरा है, बल्कि शहर के आम नागरिकों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ सकती है। महापौर ने अपने पत्र में

बताया कि लखनऊ के विनीत खंड, गोमतीनगर, निशातगंज, विवेकानंदपुरी, डालीगंज जैसे कई इलाकों में रेलवे ट्रैक के किनारे बड़ी संख्या में झुगियां बनी हुई हैं। इनमें रहने वाले लोगों की नागरिकता को लेकर संदेह है। पहले भी इस मामले को उठाया गया था, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई

नहीं हुई है। इसलिए अब उन्होंने फिर से रेलवे प्रशासन से अपील की है कि इस मुद्दे पर गंभीरता से ध्यान दिया जाए।

मेयर का कहना है कि अभी कुछ अराजकतत्वों ने रेलवे ट्रैक पर लकड़ी, पत्थर और गैस सिलेंडर रखकर ट्रेनों को पटरी से पलटाने की कोशिश की

थी। ऐसे प्रयासों से बड़ी दुर्घटना हो सकती थी। उन्होंने आशंका जताई कि इन घटनाओं में ट्रैक के किनारे रहने वाले लोग भी शामिल हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि रेलवे ट्रैक पर होने वाली किसी भी दुर्घटना से यात्रियों की जान को खतरा हो सकता है। इससे रेलवे को भी भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। ऐसे में जरूरी है कि ट्रैक के किनारे रह रहे अवैध लोगों की पहचान की जाए।

मेयर ने रेलवे की जमीन से इन अवैध बस्तियों को हटाना जाने और वहां साफ-सफाई कराई कराने की मांग कर मामले में नगर निगम को जानकारी देने को कहा है। इसके साथ ही विद्युत निगम से भी जवैध झुगियों का बिजली कनेक्शन काट कर मामले में नगर निगम को जानकारी देने का मुद्दा उठाया है।

रो रही है झेलम कश्मीरियत के कृत्तल पर

हां, झेलम मंगलवार की रात से ही रो रही है कश्मीरियत के कृत्तल पर क्योंकि यही वह नदी है जो कश्मीर की जीवन रेखा है ; और गवाह है धरती के इस खूबसूरत हिस्से की भोगी हुई पीड़ाओं की। इसने जाना है कि धरती का स्वर्ग कहलाने के बाद आततायी किस तरह पहले लालची नजरों से देखते हैं और फिर खूनी वार करते हैं। इसने देखा है कि शातिरों ने इसके अपने बच्चों के हाथों में कैसे बंदूकें थमा दीं, लेकिन अब इसने चाहा है कि इस बेहद सुन्दर जगह को जिन बुरी नजरों ने घेर रखा है उनकी शिनाख्त जरूरी है। झेलम का ज़ार-ज़ार रोना जारी है।

क्योंकि जिन मासूम बेगुनाहों का खून उसने देखा है, वह उसे भीतर से सुखा दे रहा है। वह नई नवेली दुल्हन जो अपने पति के शव के पास बिलख रही है, झेलम उसके दुःख को झेल पाने में नाकाम है।

स्तंभ वर्षा भठ्ठाणी मिर्जा

श्रीनगर में जहां कदम-कदम पर फौजी नंगी स्टैनगनों के साथ मुस्तैद नज़र आए थे, वैसे पहलगाम में नहीं दिखा था। पहलगाम यानी चरवाहों का गांव और वाकई लिख्र नदी के हमराह यहां सिर्फं घोड़े ही घोड़े नज़र आते हैं। ऊपर के गांवों से नीचे आते हुए घोड़े और फिर इन्हीं रास्तों से लौटते हुए, मानों पहाड़ों के साथ सड़कों पर भी इन्हीं का राज हो। वहां के गुर्जर चरवाहों की यही रोजी है। हा, झेलम मंगलवार की रात से ही रो रही है कश्मीरियत के कृत्तल पर क्योंकि यही वह नदी है जो कश्मीर की जीवन रेखा है; और गवाह है धरती के इस खूबसूरत हिस्से की भोगी हुई पीड़ाओं की। इसने जाना है कि धरती का स्वर्ग कहलाने के बाद आततायी किस तरह पहले लालची नजरों से देखते हैं और फिर खूनी वार करते हैं। इसने देखा है कि शातिरों ने इसके अपने बच्चों के हाथों में कैसे बंदूकें थमा दीं, लेकिन अब इसने चाहा है कि इस बेहद सुन्दर जगह को जिन बुरी नज़रों ने घेर रखा है उनकी शिनाख्त जरूरी है। झेलम का ज़ार-ज़ार रोना जारी है क्योंकि जिन मासूम बेगुनाहों का खून उसने देखा है, वह उसे भीतर से सुखा दे रहा है। वह नई नवेली दुल्हन जो अपने पति के शव के पास बिलख रही है, झेलम उसके दुःख को झेल पाने में नाकाम है। इस कश्मीरी अवाग में भी उसी तरह महसूस किया है और यही वजह है कि गमज़द होंकर वह सड़कों पर हैं, मशालें लेकर विरोध-प्रदर्शन कर रही है। अपने शहर बंद कर रही है। जम्मू से श्रीनगर तक यही भावना है, जैसे अभी चुप रहेंगे तो आगे और बड़े गुनाहों के भागी होंगे। वह

सम्पादकीय

कश्मीरियत हेतु चुनौती

इसमें दो राय नहीं कि सीमा पार पाक के सत्ता प्रतिष्ठानों की शह पर कट्टरपंथी ताकतों की साजिश के चलते पहलगाम में पर्यटकों पर हुआ हमला बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है, जो आतंकियों की हताशा को ही दर्शाता है। लेकिन पहलगाम का आतंकी हमला कश्मीरियत पर करेही मार है। इस हमले का कश्मीर के पर्यटन उद्योग पर घातक प्रभाव नज़र आा रहा है। जिस तेजी से पर्यटक कश्मीर छोड़ रहे हैं और बाकी लोग अपनी अग्रिम बुकिंग रद्द करा रहे हैं, वह कश्मीरियों के लिये अप्रत्याशित है। शायद स्थितियां सामान्य होने में वर्षों लग जाएंगे। घाटी में रहने वाले लोग पर्यटकों की संख्या में अभूतपूर्व कमी के कारण भारी नुकसान की आशंका जता रहे हैं। दरअसल, लंबे अंतराल के बाद कश्मीर के पर्यटन उद्योग के पटरी पर लौटने के बाद स्थानीय लोगों ने ऋा लेकर अपने कारोबार नये सिरे से खड़े किए थे। अब उन लोगों के सामने न केवल जीविका का संकट है बल्कि फ़िर्क है कि वे लिए गये कर्ज कैसे चुकाएंगे। उनकी आकांक्षा है कि घाटी में स्थितियां जल्दी से सामान्य हों। वहीं इस संकट का दूसरा पहलू अन्य राज्यों में रह रहे कश्मीरी छात्रों और व्यापारियों की सुरक्षा को लेकर है। निस्संदेह, पहलगाम की घटना ने पूरे देश को दुःखी किया है। जैसे-जैसे आतंकियों के निर्मम हमले से जुड़ी कहानियां निकल रही हैं, समाज में तलख़ प्रतिक्रिया नज़र आ रही है। कश्मीरी लोग आशंकित हैं कहीं इस आक्रोश से उपजे पंथ का शिकार कश्मीर सूल के लोगों को न होना पड़े। निश्चित रूप से किसी भी सभ्य समाज में ऐसी कोई प्रतिक्रिया नहीं होनी चाहिए कि आतंकवादियों के कुकृत्यों का खमियाजा निर्दोष लोगों को भुगाना पड़े। यही वजह है कि जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती और पीपुल्स कॉन्फ़ेस के प्रमुख सज्जाद लोन जैसे प्रमुख राजनेताओं ने कश्मीरियों की सुरक्षा को लेकर चिंता जतायी है। ऐसे में केंद्र व राज्य सरकारों से उम्मीद की जा रही है कि वे विभाजनकारी तत्वों पर नकेल डालेंगे। निस्संदेह, इस बात को नज़रअंदाज नहीं किया जाना चाहिए कि पहलगाम की दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद पहली बार घाटी में आतंकवाद के खिलाफ़ मुखर प्रतिक्रिया सामने आई है। कश्मीर में सक्रिय रहने वाले राजनीतिक दलों, व्यापार निकायों और सामाजिक-धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ ही आम लोगों ने भी पहलगाम हमले के दौरान हुई पर्यटकों की हत्या की निंदा की है। उन्होंने सीमा पार से आतंकवाद की पाठशाला चलाने वाले लोगों को सख़्त संदेश दिया कि हमारे मामलों में तुम्हें फ़िर्क करने की ज़रूरत नहीं है। कश्मीर के लोगों ने साफ़ संदेश भेजा है कि -‘‘ हमारे नाम पर नहीं। कश्मीरियों ने बताया कि उन्हें उन आतंकवादियों से किसी भी तरह की सहानुभूति नहीं है, जो मानवता के खिलाफ़ अपने अपराधों से कश्मीर के साथ-साथ इस्लाम को भी बदनाम कर रहे हैं। निस्संदेह, पहलगाम के वक्तव्य के बाद पूरे देश में गुस्सा चरम पर है। ऐसे में राजनीतिक दलों और धार्मिक संगठनों को इस आक्रोश को बढ़ाने के बजाय इसे शांत करने का प्रयास करना चाहिए। देश के संघीय स्वरूप व सद्भावना की हर कीमत पर रक्षा की ही जानी चाहिए। पहलगाम की घटना के बाद तल्वडी़ दिखा रहे लोगों को याद रखना चाहिए कि यह कश्मीरी टट्टाला सेयद आदिल हुसैन शाह ही था, जिसने बृंकधारी आतंकवादियों से पर्यटकों को बचाने की कोशिश करते हुए अपनी जान कुर्बान कर दी थी। एक बहुदूर व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई, जब वह हमलावार आतंकी से हथियार छीनने की कोशिश कर रहा था। कश्मीरियों के बारे में ग़लत धारणाओं को दूर करने के लिये उनके निःस्वार्थ साहस और वीरता को व्यापक रूप से स्वीकार किया जाना चाहिए। बल्कि उनकी प्रशंसा की जानी चाहिए। एक कायदातारपूर्ण आतंकी हमले के लिये पूरे राज्य के लोगों को दोषी ठहराना सांप्रदायिक सद्भाव को पलीला लगाने जैसा है। हमारे धर्मनिरपेक्ष सामाजिक ताने-बाने को नुक़सान भी पहुंचा सकता है। हमें विगत में आतंकी हमले के लिए संप्रदाय विशेष को दोषी ठहराने के बाद हुई प्रतिक्रियाओं को नज़रअंदाज नहीं करना चाहिए। कोशिश हो घटनाक्रम के बाद उपजे शोर में समझदार आवाज़ें दब न जाएं।

पते की बात

‘जयचंदों’ को मिट्टी में मिलाए

यकीनन कश्मीर बदला है। पहलगाम में तो सड़कों पर और होटलों में सज़ादा पसरा है। दुकानों पर ताले लटके हैं। लोग मानसिक तौर पर आहत हैं, क्योंकि कश्मीरियत के मेहमानों के कल किए गए हैं। उनकी परंपराएं छिन्न-भिन्न हुई हैं। कश्मीर में सैलानियों को इस तरह कभी भी निशाना नहीं बनाया गया। कश्मीर के पेट पर लार मारी गई है। श्रीनगर के ऐतिहासिक ‘लाल चौक’ पर जो विरोध-प्रदर्शन किए गए, उनमें हिंदू, मुस्लिम, सिख, डोगरा आदि सभी समुदायों के चेहरे दिखाई दे रहे थे। डल लेक पर शिकारें बंद पड़े हैं और वे सामूहिक तौर पर आतंकवाद को खारिज कर रहे हैं। जिन हाथों में कभी पथर और ‘हिंदुस्तान विरोध’ की तख़ियां होती थीं, आज उन हाथों में ‘तिरंगा’ लहरा रहा है। कारगिल से कन्याकुमारी तक गुस्सा और आक्रोश एक जैसा ही है। प्रधानमंत्री मोदी का यह कथन यकीन दिलाता है कि आतंकवाद ने जब भी मासूम, बेकसूर और निहत्थे लोगों की बर्बर हत्याएं की हैं, तब समूचा भारत एकसूत्र में बंधा दिखाई दिया है। तमाम विपक्षी दलों ने भी सरकार को, आतंकियों के खिलाफ़, कोई भी कार्रवाई करने की अधिकृत किया है। सरकार और सुरक्षा-युक्तिया तंत्र ने स्वीकार किया है कि सुरक्षा-व्यवस्था में चूक हुई है, लेकिन सर्वदलीय बैठक को ब्रीफ़ किया गया है कि कुछ दूर ऑपरटर सैलानियों को बैसरन घाटी के घसियाले मैदान तक ले गए थे और प्रशासन को इसकी जानकारी नहीं दी गई; लिहाजा पुख़्ता सुरक्षा बंदोबस्त भी नहीं किए जा सके। पहलगाम के अन्य हॉटस्पॉट के आसपास करीब 500 सुरक्षाकर्मि तैनात किए गए थे। वहां कोई भी आतंकी घटना नहीं हुई है। यह सरकार के पक्ष की सफ़ाई हो सकती है, लेकिन स्थानीय पुलिस को यह साफ़ दिख रहा होगा कि बैसरन में हजारों पर्यटक जाता रहे हैं। पुलिस आंख नहीं मूंद सकती। बहरहाल अब हमें प्रधानमंत्री मोदी की हुंकार पर भरोसा करना चाहिए कि आतंकियों और उनके आकाओं को उनकी कल्पना से बड़ी सजा दी जाएगी। आतंकियों की बची-खुची जमीन को मिट्टी में मिलाने का वक्त आ गया है। देश की भावनाओं और उत्साह के मद्देनज़र प्रधानमंत्री का ऐसा संबोधन भी बेहद जरूरी है, लेकिन रक्षा विशेषज्ञ ‘कश्मीर के जयचंदों’ को, आतंकवाद के खिलाफ़ निर्णायक लड़ाई में, बड़ी बाधा मानते हैं। वे संख्या में भी काफी हैं और ताकतवर भी हैं। जब तक इन ‘जयचंदों’ को मिट्टी में नहीं मिलाया जाएगा, तब तक भारतीय आतंकवाद का समूल विनाश नहीं कर सकते। ये ‘जयचंद’ आतंकियों के स्थानीय गिरोह हैं, रसील सेल हैं और पनाहगाह भी हैं। एक सूचना सामने आई है कि जो आतंकी ‘पहलगाम नरसंहार’ का सरना था, वह बीते 4-5 साल से कश्मीर में सक्रिय है और कोने-कोने से वाकिफ़ है। स्थानीय खुफ़िया-तंत्र वया करता रहा है? हम इस सूचना की पुष्टि नहीं कर सकते, लेकिन जम्मू-कश्मीर में ‘आतंकियों के जयचंद’ राजनीतिक कार्यकर्ता के तौर पर, रेड्डी-पट्टरी वाले कारोबार के रूप में, सामाजिक कार्यकर्ता के तौर पर मौजूद और सक्रिय हैं, यह ख़ुलासा तो सेवानिवृत्त सैन्य जनरल और पुलिस महानिदेशक स्तर के अधिकारी कर रहे हैं, जिन्होंने अतीत के उग्र और हथяरे आतंकियों के दौर देखे हैं और उनसे लड़ाई भी की है। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि ‘आतंकवाद के जयचंदों’ की पूरी सुविधा पुलिस और सेना के पास होती है। ‘जयचंदों’ का निचले स्तर तक जो जाल फैला है, उसकी सम्यक जानकारी होती है। सूचनाओं के आधार पर ये सुविधां वैयार की जाती हैं। इन पर कार्रवाई तभी होगी, जब राजनीतिक नेतृत्व ‘हरी झंडी’ देगा। रक्षा विशेषज्ञों की सूचनाओं के आधार पर पहले ‘जयचंदों’ को मिट्टी में मिलाया जाए।

गुहार लगा रही है बंद करो, बंद करो यह खूनी हिंसा बंद करो।जु वह शर्मिदा भी है कि अपने मेहमानों को नहीं बचा सकी। वे लगातार बोल रहे हैं, लिख रहे हैं कि हम शर्मिदा हैं और इस कुकृत्य पर हमारा शर शर्म से झुका हुआ है। हिंदी पट्टी का सोशल मीडिया अगर बहस कर रहा है कि धर्म पूछ कर मारा या सरकार के इंटेलिजेंस की नाकामी है या बिना फ़ोर्स के उस जगह तक पर्यटकों को जाने की अनुमति क्यों थी, तो कश्मीर के लोग लिख रहे हैं कि कोई भी कहानी ऐसे अंत के लिए नहीं बनी है। यह तस्वीर हमेशा-हमेशा के लिए कश्मीर को दर्द देती रहेगी। आतंकियों ने धर्म पूछ फिर मारा यह बात हरेक के दिल में घर कर गई है। जो केवल यही सच है तो फिर अनंतनाग के सय्यद हुसैन शाह को किसने मारा? मुतकों में उनका नाम क्यों है? वह घायलों को बचाते हुए कुर्बान हुआ। लेखक आशुतोष कुमार लिखते हैं कि अगर आप इतना ही याद रखेंगे और यह पूछ जाएंगे कि हमले के दौरान और उसके ठीक बाद घायलों को अपने कंधों पर या घोड़ों से अस्पताल पहुंचाने वालों ने न धर्म पूछ न जाति, तो आप आतंकवादियों की ही मदद कर रहे हैं। अस्पतालों में डाक्टरों और नर्सों ने बहुत कम सुविधाओं के साथ अपनी भूख, प्यास और नींद सब भूलकर घायलों का इलाज किया, जिससे मृतक संख्या को नियंत्रित किया जा सका। अगर आप इसे भूल जाएंगे तो आतंकवादियों की ही मदद कर रहे होंगे। बहुत देर तक कोई सरकारी सहायता नहीं पहुंच पाई थी, कोई वाहन नहीं थे, तब स्थानीय लोग घरों से बाहर निकले और अपनी जान की बाजी लगाकर उन लोगों के रेस्क्यू किया जो हमले की जूट में थे। अगर आप यह भी भूल जाएंगे तो आप आतंकवादियों की ही मदद कर रहे हैं। सारा का सारा जम्मू-कश्मीर इस जघन्य हत्याकांड के विरोध में उठ खड़ा हुआ है।

बिना किसी भय और हिचक के उन्हें संदेश दिया कि कश्मीर का बच्चा-बच्चा उनके खिलाफ़ तनकर खड़ा है। अगर आप यह भूल जाएंगे और केवल हिंदू-मुस्लिम नफ़रती पोस्टर बनाने वालों को याद रखेंगे तो आप आतंकवादियों की ही मदद कर रहे हैं। पोस्टर की बात करें तो छत्तीसगढ़ भारतीय जनता पार्टी का ही एक पोस्टर सोशल मीडिया में खूब प्रचार पा रहा है। पोस्टर में पत्नी का पति के शव के साथ स्केच है और उस पर लिखा है - धर्म पूछ जाति नहीं... याद रखेंगे। इसे क्या कहा जाए कि पार्टी बेहतर महसूस कर रही है कि जाति नहीं पूछ्ने क्योंकि वे खुद धर्म की सियासत करते हैं और उनके विरोधी जाति की। आपदा में अवसर शायद इसे ही कहा जाता है कि भीषण दुःख और अपरिहार्य परिस्थिति में भी दलों से सियासत नहीं भूली जाती। किसी को भी यह समझने में क्यों भूल करनी चाहिए कि आतंक का कोई धर्म नहीं होता। वे अपने हितसक आकाओं की हसरतों के मोहरे घर होते हैं। अगर जो होता तो श्रीलंका में लिंटे यानी लिबरेशन टायगर्स ऑफ़ तमिल ईलम नहीं होता जिसने भारत के एक युवा प्रधानमंत्री (राजीव गांधी) की जान ली थी। धर्म देखकर फ़िज़ खोलकर मीट चेक करने के बाद हत्या को अंजाम तो कुछ और भी लोगों ने दिया है। बेहतर है कि पहलगाम में 27 निर्दोषों की हत्या को इस तंग नैरेटिव के बीच न सीमित कर दिया जाए। सरकार को इस घटना से ऐसा सबक लेना चाहिए कि कश्मीर में फिर कभी ऐसी विभीषिका न हो। सरकार ने ही संसद में अपनी बात कहकर लोगों को यकीन दिलाया था कि कश्मीर में सब कुछ सामान्य है। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि - प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में यह सरकार चुप बैठने वाली नहीं है, घर में घुसकर मारती है। अब जो हुआ है, यह उन सैलानियों के यकीन का कृत्तल है। उन्हें भरोसा

दिलाया गया था कि आप यहां आएंगे, आप सुरक्षित हैं। नतीजतन 2023 में दो करोड़ दस लाख से ज़्यादा सैलानी यहां आए जो साल 2020 में 35 लाख से भी कम थे। अभी तो सीजन शुरू ही हुआ था और अगले तीन महीनों तक यह सिलसिला जारी रहना था लेकिन पहलगाम की घटना ने कश्मीर को फिर पीछे पंहुचा दिया है। इसी यकीन के धरोरे सपरिवार पिछले बरस आठ दिन कश्मीर में और दो दिन पहलगाम में बिताए थे। सब खुश थे। घोड़े वाले, टैक्सी वाले, होटल वाले, कॉफी शॉप वाले कि घाटी में बहार आई है और सैलानी लगातार आ रहे हैं। ऑटो और शिकारा चलाने वाले भी बेहद खुश थे कि इस बार टूरिस्टों की संख्या ने उनके घर, दुकान, गाड़ियों के लोन अदा करवा दिए। ख़ुब तो ऊनी कपड़े पसंद किये गए, ख़ुब मखमली केसर और अखरोट सैलानी अपने घर ले गए। उनका बस चलता तो घाटी का बेमिसाल मौसम भी साथ ले आते। वह आता भी है तस्वीरों में कैद होकर, लेकिन पहलगाम के इन पर्यटकों के साथ ऐसा नहीं हुआ। श्रीनगर में जहां कदम-कदम पर फौजी नंगी स्टैनगनों के साथ मुस्तैद नज़र आए थे, वैसे पहलगाम में नहीं दिखा था। पहलगाम यानी चरवाहों का गांव और वाकई लिदर नदी के हमराह यहां सिर्फं घोड़े ही घोड़े नज़र आते हैं। ऊपर के गांवों से नीचे आते हुए घोड़े और फिर इन्हीं रास्तों से लौटते हुए, मानों पहाड़ों के साथ सड़कों पर भी इन्हीं का राज हो। वहां के गुर्जर चरवाहों की यही रोजी है। सर्दियों में वे अपने बनाए गए कपड़ों को लेकर भारत के मैदानों में आ जाते हैं। टूरिस्ट पहलगाम से टैक्सी लेकर आस-पास के स्थानों पर दिन भर में घूमकर पहलगाम लौट आते हैं। आर वैंली, बेताब वैंली, चन्दन बाड़ी (जो अमरनाथ यात्रा का बेस पॉइंट है), बैसरन घाटी जैसे कई फिनिक् स्पॉट्स तक

सैलानी जाते हैं। इस यात्रा में जिस बात ने अंभिभूत किया वह थी कश्मीरियों की मेज़बानी। वे सैलानी को बहुत सम्मान देते हैं। गुलती से आप किसी ऐसी जगह पहुंच जाते हैं जो टूरिस्ट के लिए नहीं, तब भी वे आपकी आवाभगत करते हैं। पहलगाम के अतंक ने उन्हें भीतर तक हिला दिया है। वे सड़कों पर निकल पड़े हैं। उनका विरोध और भारत सरकार के पाकिस्तान को मज़बूत जवाब देने की नीयत, दोनों का एक साथ आना कश्मीर के हालात को बदल सकता है। फिलहाल जवाब तो इस बात के भी ढूंढने होंगे कि इन सैलानियों की सुरक्षा के लिए क्यों कोई जवाबी कार्रवाई नहीं देखी गई? सुरक्षा बल वहां क्यों नहीं थे? यह कुछ क्यों थी? बैसरन घाटी का हमला पुलवामा के बाद सबसे बड़ा हमला माना जा रहा है। इतना बड़ा इंटेलिजेंस फेलियर कैसे हुआ? जो कोई इनपुट मिले थे तो सुरक्षा क्यों नहीं बरती गई और जो नहीं मिले तो यह कैसे संभव हुआ? मुख्यधारा का मीडिया और हिंदी के ज़्यादातर अख़बार धर्म के नैरेटिव को सेट करने में लगे हैं? जिम्मेदार देश को यूं बांटने और अस्थिर करने की साज़िश पर क्यों मौन है? कश्मीर के अख़बारों ने काली जगह छोड़कर विरोध जताया है। कश्मीरी टाइम्स ने अपनी एक स्टोरी में बताया है कि पहलगाम की किशोरी रबीना, जो वहां पर्यटकों को नन्हें ख़रगोश बेचती है, उसने अपने छोटे से घर को सैलानियों के लिए सुरक्षित आवास में बदल दिया। वह और उसकी बहन मुमताज़ तीन बार पार्क में गए और घायलों को सुरक्षित नीचे अपने घर ले लाए। आज रबीना है और सोलहवीं सदी में शायरा हब्बा ख़ातून थीं जिनका संदेश केवल मोहब्बत रहा है। दोनों ने हर बार, हर हाल में कश्मीरियत को ज़िंदा रखा। हब्बा ख़ातून (जूनी) जिनके प्रेम में पगे लोकगीत आज भी गाए जाते हैं।

पोप जिन्होंने अमेरिका को आईना दिखाया

पोप फ्रांसिस अपने शुरुआती दिनों में एक चौकीदार और नाइट क्लब बाउंसर के रूप में काम करते थे। वे पोप के माध्यम से प्रतिध्वनित हुए, विशेष रूप से अपने अंतिम दिनों में जब डोनाल्ड ट्रम्प अमेरिकी राष्ट्रपति बने और उनके प्रशासन ने अप्रवासियों को निशाना बनाया एवं इसे आद्रजन पुलिस को दी गई व्यापक शक्तियों के साथ शिकार करने और निर्वासित करने का एक मिशन बनाने के बाद उन्होंने स्वयं को स्पष्ट रूप से अभिव्यक्त किया।

अभिमत

जगदीश रतनानी

2015 में आए एन्सिक्लिकल में विविधता, समानता और समावेशन था जिसे वार्षिक रिपोर्ट में पेश किया और दिखाया गया लेकिन उसे वास्तव में उसकी सही भावना में कभी नहीं समझा या लागू नहीं किया गया। इसके परिणामस्वरूप ठीक वही हुआ जिसकी एन्सिक्लिकल ने चेतावनी दी थी: ... इसके बाद परस्पर विरोधी हितों, हिंसा और वक्ररता के नए रूपों व पर्यावरण की देखभाल की वास्तविक संस्कृति के विकास में बाधाओं पर संघर्ष होता है। रोमन कैथोलिक चर्च के प्रमुख पोप फ्रांसिस का 88 वर्ष की आयु में ईस्टर सोमवार को निधन हो गया। वे गरीबों के पोप थे जिन्होंने कमजोर और हाशिए पर पड़े लोगों के लिए आवाज़ उठाई, जिन्होंने शांति को बढ़ावा देने के साधन के रूप में अंतर-विश्वास संवाद का समर्थन किया और होली सी के सिद्धांत को स्थायी रूप में उकेरा। पोप फ्रांसिस के समय में कई चीजें पहली बार हुई थीं जिनमें से तोड़ी और चुपने वाली आलोचना हो सकती है जो उन्होंने अमेरिकी प्रशासन के लिए छोड़ दी थी जिसका पूरा ध्यान अब वैश्विक संबंधों को उखाड़ फेंकने, अप्रवासियों को बदनाम करने और भागीदारों को धमकाने पर केंद्रित है।

पोप फ्रांसिस अपने शुरुआती दिनों में एक चौकीदार और नाइट क्लब बाउंसर के रूप में काम करते थे। वे पोप के माध्यम से प्रतिध्वनित हुए, विशेष रूप से अपने अंतिम दिनों में जब डोनाल्ड ट्रम्प अमेरिकी राष्ट्रपति बने और उनके प्रशासन ने अप्रवासियों को निशाना बनाया एवं इसे आब्रजन पुलिस को दी गई व्यापक शक्तियों के साथ शिकार करने और निर्वासित करने का एक मिशन बनाने के बाद उन्होंने स्वयं को स्पष्ट रूप से अभिव्यक्त किया।

करने का एक मिशन बनाने के बाद उन्होंने स्वयं को स्पष्ट रूप से अभिव्यक्त किया। ईस्टर रविवार, 20 अप्रैल को अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से मुलाकात के तुरंत बाद पोप का संदेश स्पष्ट था। सेंट बेसिलिका की बालकनी से पढ़े गए बयान में कहा गया कि कमजोर, हाशिए पर रहने वाले और अप्रवासियों की अवमानना कम तक की जाती रहेगी। यह पोप का आखिरी सार्वजनिक दर्शन था लेकिन यह संदेश अमेरिका को ताना मारता और उस पर दबाव डालता रहेगा।

यह एक संदेश है कि वेंस को व्यक्तिगत रूप से एक कैथोलिक के रूप में (वेंस को छह साल पहले वपतिस्मा दिया गया था) और एक सार्वजनिक नेता के रूप में भी सामने आना होगा, खासकर जब उन्होंने एक जटिल तरीके से अप्रवासियों पर कार्रवाई को सही ठहराने के लिए धार्मिक विचारों और अभिव्यक्तियों को चुनने की कोशिश की है, जैसे आर्डर ऑफ लव (लेटिन शब्द ऑर्डो एमोरिस) यानी प्रेम का, म मतलब मनुष्य सबसे पहले ईश्वर, उसके बाद खुद से और उसके बाद अपने पड़ोसियों से प्रेम करें।

30 जनवरी को वेंस ने एक्स पर कहा: जस्ट गूगल ऑर्डो एमोरिस (गूगल पर ऑर्डो एमोरिस सर्च कीजिये)। वेंस इस विचार को समझते हैं कि दान के लिए एक आदेश है जो दूसरों से पहले परिवार और घर को लाता है। इसके आगे यह तर्क दिया जा रहा था कि मातृभूमि की रक्षा के लिए अप्रवासियों को बाहर फेंक दिया जाना चाहिए।

पोप फ्रांसिस पर दायित्व था कि वे इस मामले में तुरंत एक स्पष्टीकरण भेजें। 10 दिन बाद सभी अमेरिकी धर्माध्यक्षों को एक पत्र में उन्होंने लिखा- ईसाई प्रेम हितों का एक केंद्रित विस्तार नहीं है जो अन्य व्यक्तियों और समूहों के लिए थोड़ा-थोड़ा करके विस्तारित होता है ... मानव, व्यक्ति गरिमा के साथ

एक विषय है जो सभी के साथ विधायक संबंध के माध्यम से, विशेष रूप से सबसे गरीब के साथ, धीरे-धीरे अपनी पहचान और ईश्वरीय आह्वान में परिपक्व हो सकता है। सच्चा ऑर्डो एमोरिस वह है जिसे हम लगातार ध्यान करके खोजते हैं, जिसे बढ़ावा दिया जाना चाहिए... उस प्रेम पर जो बिना किसी अपवाद के सभी के लिए भाईचारे का निर्माण करता है।

अस्वस्थ और बीमारियों से जूझ रहे 266वें पोप का मजबूत रख और स्पष्ट संदेश उनकी भावनाओं की गहराई और उस दर्द का संकेत देते हैं जो अमेरिका ने उन जैसे नेता को दिया जिसने गरीबों और हाशिए पर पड़े लोगों की सेवा करने को अपना मिशन बना लिया था। अमेरिकी धर्माध्यक्षों को लिखे 10 फरवरी के पत्र में कहा गया है: जिन्होंने अत्यधिक गरीबी, असुरक्षा, शोषण, उत्पीड़न या पर्यावरण की गंभीर गिरावट के कारण अपना देश छोड़ दिया, पुरुषों व महिलाओं और पूरे परिवारों की गरिमा को नुकसान पहुंचाता है व उन्हें विशेष भेद्यता और रक्षाहीनता की स्थिति में रखताहै, अधिकांश मामलों में उन लोगों को निर्वासित करने का कार्य कोई मामूली मुद्दा नहीं है। कानून का एक प्रामाणिक शासन तभी सटीक रूप से सत्यापित होता है जब सभी लोग, विशेष रूप से सबसे गरीब और सबसे हाशिए पर रखे गए लोगों से गरिमापूर्ण व्यवहार किया जाए जिसके वे हकदार हैं।

जब अमेरिका के लोगों सहित कई अन्य,विशेष रूप से व्यवसायों ने इस मामले में चुप्पी साध ली थी तो पोप एक आवाज के रूप में भी सामने आए। उनके शब्द अनुचित, अन्यायपूर्ण और ऑर्डो एमोरिस की सच्ची भावना के खिलाफ उठए गए असहमति के स्वरों को प्रोत्साहित करते हैं और उनके समर्थन में खड़े होते हैं।

आप्रवासियों के समर्थन में लड़ी गई ताकालिक लड़ाइयों से परे पोप फ्रांसिस को विशेष रूप से उनके

184-पृष्ठ के एन्सिक्लिकल लौदातो सी (प्रेज बी टू यू) के लिए याद किया जाएगा, जो हम सबके घर की देखभाल यानी पुष्पा के लिए समर्पित है। यह संधारणीयता पर एक ग्रंथ है जो प्रेरणादायक, त्राांतिकारी, समग्र और सिस्टम सोच में आधारित है-देखभाल और प्रेम से भरा दृष्टिकोण बनाम जो व्यवसाय समर्थन में निरंतरता का दावा करने के भौतिक मेट्रिक्स से परे है।

यह विजेता के रूप में सामाजिक न्याय, वैश्विक असंतुलन और मानव अहंकार के विचारों की चर्चा की सीमाओं का विस्तार करता है जो अंततः धरती माता को नष्ट कर देता है। एन्सिक्लिकल जलवायु को एक जटिल प्रणाली कहता है जो सर्वसामान्य के लिए अच्छी है, जो बहुत मजबूत वैज्ञानिक सहमति को इंगित करता है कि हम वर्तमान में जलवायु प्रणाली के परेशान वर्मिंग को देख रहे हैं और इसका मुकाबला करने के लिए जीवन शैली, उत्पादन और खपत में परिवर्तन के लिए कहते हैं। यह बात अधिकांश पश्चिमी आवाजों से परे जा रही है। यह आगे सामाजिक बहिष्कार, असमान वितरण, सामाजिक आक्रामकता के नए रूपों और पहचान के नुकसान की बात करता है। यह तर्क देता है कि पिछली दो शताब्दियों के विकास के दौर में हमेशा अभिन्न विकास तथा जीवन की गुणवत्ता में सुधार नहीं हुआ है।

2015 में आए एन्सिक्लिकल में विविधता, समानता और समावेशन था जिसे वार्षिक रिपोर्ट में पेश किया और दिखाया गया लेकिन उसे वास्तव में उसकी सही भावना में कभी नहीं समझा या लागू नहीं किया गया। इसके परिणामस्वरूप ठीक वही हुआ जिसकी एन्सिक्लिकल ने चेतावनी दी थी: ... इसके बाद परस्पर विरोधी हितों, हिंसा और वक्ररता के नए रूपों व पर्यावरण की देखभाल की वास्तविक संस्कृति के विकास में बाधाओं पर संघर्ष होता है।

इंडिपेंडेंट वॉइस

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी जब भी विदेश दौरों पर जाते हैं, भारतीय जनता पार्टी और उसकी सरकार की जान सांसत में होती है। राहुल गांधी इस समय नेता प्रतिपक्ष हैं ही, उन्हें एक बड़े नेता के तौर पर भी देखा जाता है। देश में तो राहुल गांधी भाजपा एवं उसकी एनडीए सरकार के खिलाफ संसद के भीतर-बाहर अभियान छेड़े हुए हैं, विदेशों में भी प्रवासी भारतीयों, छात्रों, बुद्धिजीवियों, पत्रकारों से वे लोकतंत्र के लिए अपनी चिंताओं को साझा करते हैं। राहुल अभी अमेरिका प्रवास पर हैं। वहां उन्होंने अपनी पहली सभा में भारत के केन्द्रीय निर्वाचन आयोग की कायपद्धति की जमकर आलोचना की। किस तरह से पूरी निर्वाचन पद्धति सत्तारूढ़ भाजपा के पक्ष में काम करती है, उन्होंने इसका लेखा-जोखा सामने रखा है।

अमेरिका के बोस्टन शहर पहुंचे राहुल ने व्यवसायियों और वहां रहने वाले भारतीयों से बातचीत में भारत के चुनाव आयोग पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हमारे सामने यह बिल्बुल स्पष्ट हो गया है कि चुनाव आयोग ने समझौता कर लिया है और निर्वाचन प्रणाली में व्यापक गड़बड़ियां हैं। राहुल गांधी ने कहा- मैंने यह कई बार बताया है, खासकर महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में प्रदेश के वयस्क नागरिकों की संख्या से कहीं अधिक लोगों ने वोटिंग की। चुनाव आयोग द्वारा शाम 5.30 बजे तक मतदान के आंकड़े जारी किये गये थे। बाद में जो अंतिम मतदानके प्रदान किये गये उसके अनुसार शाम 5.30 बजे से 7.30 बजे के बीच 65 लाख लोगों ने मतदान किया। ऐसा

होना संभव ही नहीं है क्योंकि एक व्यक्ति को मतदान करने में लगभग 3 मिनट लगते हैं। इस हिसाब से तो सुबह 2 बजे तक मतदाताओं की कतारें लगनी चाहिये थीं, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जब कांग्रेस व विपक्ष ने आयोग से वीडियो सबूत मांगे तो उसे न केवल मना कर दिया गया बल्कि आयोग ने कानून ही बदल दिया ताकि विपक्षी दल वीडियोग्राफी के लिए न कह सके।

गौरलब है कि राहुल ने अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान ऐसे वक्त में चुनावी गड़बड़ियों की ओर इशारा किया है जब कुछ ही दिनों पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और उनके खासमखास दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क ने साफ किया है कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन से निष्पक्ष चुनाव नहीं हो सकते। बलेट पेपर की हिमायत करते हुए मस्क ने तो यहां तक कहा है कि ईवीएम को हूक किया जा सकता है। यानी वे उस आरोप की पुष्टि कर रहे हैं जो भारत के कई विपक्षी दल 2022 से लगा रहे हैं। आरोप हैं कि पिछले साल हुए लोकसभा चुनाव में वोटिंग मशीनों में बड़े पैमाने पर धोधली कर भाजपा ने दो-चार नहीं वरन लगभग 80 सेंटें जीती हैं। इतना ही नहीं, कई राज्यों के विधानसभा चुनावों में भी एक खास पैटर्न के द्वारा हारती हुई भाजपा ने चंद घंटों में इतनी सेंटें जीत लीं कि वह सरकार बनाने में कामयाब हो गयी। राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र समेत कई राज्यों के उदाहरण इस सिलसिले में दिये जाते हैं।

वैसे तो भारत में जिस तरह से शासकीय मशीनरी के जरिये लोकतंत्र को अपहृत किया गया है और मोदी सरकार निरंकुश तरीके से काम कर रही है, वह दुनिया अब जान चुकी है, राहुल द्वारा जो बातें भारतीय



समुदायों के सम्बन्ध कही जा रही हैं, वह दूर तलक जायेगी क्योंकि वहां का मीडिया एक तरह से वैश्विक कक्षा कहता है जो निश्चित ही भारतीय मीडिया के मुकाबले बहुत अधिक जनतांत्रिक, स्वतंत्र और निष्पक्ष है। भारत का मीडिया विपक्ष की बातों को जहां स्थान नहीं देता वहीं अमेरिकी या लोकतांत्रिक रूप से परिपक्व किसी भी देश का मीडिया सरकार की बजाय प्रतिपक्ष को तर्जनी देता है। इस लिहाज से कहा जा सकता है कि राहुल गांधी की बातें एक बार फिर से विश्वपटल पर प्रमुखता से लोगों के सामने आयेगी।

अनुमानों के मुताबिक भाजपा ने राहुल के इस बयान को संवैधानिक संस्थाओं का अपमान बताया तथा राहुल पर देश को बदनाम करने की सुपारी लेने का आरोप लगा दिया है। पार्टी के प्रवक्ता शहजाद पूनावाले ने कहा कि, राहुल गांधी विदेश जाकर संवैधानिक संस्थाओं का अपमान करते हैं। यही उनकी पहचान बन गई है। यह दिखाता है कि कुछ लोग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विरोध करते हुए भारत

के विरोध पर उतर गये हैं- वह भी विदेशी धरती पर। पूनावाला के अनुसार पूरी दुनिया भारत के चुनाव आयोग और निर्वाचन प्रणाली की प्रशंसा कर रही है पर भारत के खिलाफ और देश की बदनामी की सुपारी लेने का काम राहुल गांधी और उनका इकोसिस्टम कर रहा है।

इसी तरह सबित पात्रा ने राहुल गांधी के बयान पर नेशनल हेराल्ड मामले में चल रही ईडी की जांच का जिक्र करते हुए कहा कि वे अब जेल जा सकते हैं। वहीं देवेन्द्र फड़नवीस ने राहुल गांधी के चरित्र पर ही समाल उठाए और उन्हें नसलहीद दी कि चुनाव नतीजों पर सवाल उठाने की जगह वे जनता का दिल जीतने के बारे में सोचें। भाजपा की ये सारी प्रतिक्रियाएं बता रही हैं कि राहुल गांधी चुनाव आयोग पर जो सवाल उठा रहे हैं, उनसे सबसे ज़्यादा तकलीफ भाजपा को हो रही है। याद हो कि उनके पिछले विदेशी दौरों में दिये उनके व्याख्यानों को लेकर उन्हें भाजपा समर्थकों ने देशद्रोही तक कहा था।

बहरहाल, राहुल की अमेरिका यात्रा में आगे क्या होता है, ये देखना होगा। उनका एक व्याख्यान ब्राउन विश्वविद्यालय में होगा, साथ ही वे भारतीय समुदाय से भी मिलेंगे, जिसमें भाजपा अपनी नजरें गड़ाए हुए हैं। वैसे राहुल गांधी के दौरे की कमान एक बार फिर से इंडियन ओवरसीज़ कांग्रेस के प्रमुख सैम फिरोडा के हाथों में है जो साबित करता है कि दोनों के बीच मतभेदों की जो बात बीच-बीच में उठाई जाती रही है, उनमें कोई सच्चाई नहीं है। पिरोडा ने एक्स पर जारी अपनी पोस्ट में कहा, युवाओं, लोकतंत्र और बेहतर भविष्य की आवाज राहुल गांधी, आपका अमेरिका में स्वागत है ! आइए सुनें, सीखें और साथ मिलकर निर्माण करें !

राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला व चैयरमैन की मौजूदगी में आयोजित हुआ अम्बेडकर जयंती समारोह

कानपुर देह्रात। बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती समारोह आयोजन समिति द्वारा अकबरपुर रनिया विधानसभा अंतर्गत रूरा कस्बे के प्रसाद पैलेस गेस्ट हाउस में अंबेडकर जयंती समारोह का सहभागिता किया गया। आयोजन पूर्व सांसद अनिल शुक्ला वारसी द्वारा आयोजित किया गया। अध्यक्षता बैचलाल कुरील के द्वारा की गई। जिसमें भारी संख्या में बाबा साहब के अनुयायियों ने हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि के रूप उग्र सरकार की राज्यमंत्री व सदर विधायक प्रतिभा शुक्ला ने भाग लिया। सर्वप्रथम जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुई कारयाना आतंकी घटना के विरोध में कार्यक्रम के दौरान श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। मंत्री प्रतिभा व पूर्व सांसद वारसी सहित सैकड़ों लोगों ने दो मिन्ट का मौन रखकर हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित



की। इस दौरान राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला एवं पूर्व सांसद अनिल शुक्ला वारसी सहित अन्य लोगों ने सामाजिक न्याय के प्रणेता, महान विधिवेत्ता एवं सामाजिक भेदभाव के विरुद्ध अभियान चलाने वाले, भारतीय संविधान के निर्माता भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव रामजी अम्बेडकर जी की प्रतिमा पुष्पांजलि अर्पित की। पूर्व सांसद अनिल शुक्ला वारसी ने बाबा

साहब के अनुयायियों का माल्यार्पण कर व बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा भेंटकर उन्हें सम्मानित किया। वही कमल म्यूजिकल ग्रुप की गायक बौद्ध शकुंतला कमल द्वारा संगीतमय भजनों की प्रस्तुति से बाबा साहब के अनुयायियों में प्रभावित किया गया। पूर्व सांसद अनिल शुक्ला वारसी ने कहा कि बाबा साहब ने कहा थाए रजब तक आप खुद को शिक्षित नहीं करेंगे, तब तक कोई भी आपकी स्थिति नहीं बदल सकता। यह संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना उनके समय में था। राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार श्रद्धेय बाबा साहब के सामाजिक समरसता और समतामूलक समाज के उनके विचारों को धरातल पर उतारने के लिए कृत.संकल्पित है। भाजपा ने समाज में समानताए न्याय और सामाजिक सुधार के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है। भाजपा हमेशा दलित अधिकारों के लिए मुखर रही है और भारतीय संविधान के तहत लोकतंत्र का हमेशा सम्मान किया है। रूरा चैयरमैन रामजी गुप्ता, रवि शशि द्विवेदी, बैचेलाल गौतम, शिवा बोडेय जैयसिंग पाल, जी. एस. त्रिपाठी एसंजय चंदेल, अनुराग द्विवेदी, पंकज शुक्ला, कमला देवी आदि मौजूद रहे।

स्कूटी चार्ज करते जिम में लगी आग, लाखों का नुकसान

बिंदकी (फतेहपुर)। चार्जिंग करते समय अचानक इलेक्ट्रिक स्कूटी में आग लग गई। जिसके चलते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और जिम में आग लग गई। जिम मालिक और उनके बड़े भाई जिम की दूसरी मॉजिल में सो रहे थे। इलेक्ट्रिक स्कूटी की बैटरी फटने की तेज आवाज आने लगी तो दोनों भाई सीढ़ी से नीचे उतरने का प्रयास करने लगे। तब तक आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और दोनों भाई दूसरी मॉजिल में चढ़ गए। उन्होंने पुलिस और लोगों को फोन किया। पुलिस पहुंची और लोगों ने मिलकर आग को बुझाया। तब तक इलेक्ट्रिक स्कूटी एक मोटर साइकिल व जिम का सामान सहित लगभग तीन लाख की संपत्ति जल गई।

नगर के इलाली रोड मंडी समिति वाली गली में शुक्रवार की भोर पहर लगभग चार बजे इलेक्ट्रिक स्कूटी चार्जिंग करते समय शिवम फिट्नेस जिम में आग लग गई। आग लगने से

इलेक्ट्रिक स्कूटी की बैटरी फट गई। जिसके चलते तेज आवाज आने लगी। जिस समय जिम में आग लगी उसे समय जिम के मालिक शिवम गुप्ता व उनके बड़े भाई गोविंद गुप्ता जिम के दूसरी मॉजिल में सो रहे थे। तेज आवाज सुनकर दोनों भाई सीढ़ी से उतरकर नीचे जिम में आने की कोशिश की लेकिन तेज आगे के कारण दोनों भाई फिर ऊपर की मॉजिल में लौट गए। दोनों भाइयों ने पुलिस समेत अन्य लोगों को मोबाइल से सूचित किया। मोहल्ले के लोगों ने कई समरसेबल चलाकर आग बुझाने का काम किया। तब तक इलेक्ट्रिक स्कूटी एक अन्य मोटरसाइकिल व जिम का सामान सहित लगभग तीन लाख रूपए की संपत्ति जल गई, जिम मालिक शिवम गुप्ता ने बताया कि इलेक्ट्रिक स्कूटी की बैटरी फटने के कारण मैंन गेट का दरवाजा अपने आप खुल गया। जिम मलिक शिवम गुप्ता बिंदकी कस्बे के मिलसर एवं गल्ला व्यापार समिति के अध्यक्ष हैं।

एक अभियुक्त को चोरी की मोटरसाईकिल सहित बरामद कर किया गिरफ्तार मोहम्मदी खीरी। पुलिस अधीक्षक खीरी संकल्प शर्मा द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत व अपर पुलिस अधीक्षक खीरी एवं 'क्षेत्राधिकारी मोहम्मदी अरुण कुमार सिंह' के निक्ट पर्यवेक्षण में सम्पूर्ण जनपद में अपराध की रोकथाम व वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत। 'प्रभारी निरीक्षक कोतवाली मोहम्मदी इंद्रजीत सिंह के नेतृत्व में' थाना मोहम्मदी पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत 30अ0अस0 110/25 धारा 303 (2/317/2) बीएनएस की घटना का सप्तर अनावरण करते हुए 01 नम् अभियुक्त चन्दू उर्फ अनुज पुत्र स्व0 रामओतार नि0 मो0 बाजारखुर्द करुवा व थाना मोहम्मदी खीरी को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के कब्जे से चोरी की 01 मो.सा. स्पेलेण्डर (रंजि0 नं0 न्चू 31 टश्र 3916) बरामद की गयी। अभियुक्त के विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्यवाही कर न्यायालय भेजा जा रहा है।

मलेरिया से बचाव एवं रोकथाम हेतु कार्यक्रम का आयोजन

लखीमपुर खीरी। विश्व मलेरिया दिवस के मौके पर जिला मलेरिया अधिकारी द्वारा कार्यालय में मलेरिया से बचाव एवं रोकथाम हेतु एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में जिला मलेरिया अधिकारी सहित कार्यालय के समस्त स्टाॅफ उपस्थित रहे। जिला मलेरिया अधिकारी द्वारा विश्व मलेरिया दिवस के आयोजन पर जागरूक करते हुए कर्मचारियों को बताया कि मलेरिया दिवस की शुरुआत अफ्रीका महाद्वीप से हुई। अफ्रीका महाद्वीप में अत्यधिक वर्षा तथा तापमान मच्छरों के लिए अनुकूल होने के कारण मलेरिया का प्रकोप अधिक हुआ तथा यह एक महामारी के रूप में फैल गया। इस कारण से अफ्रीकन लोगों द्वारा वर्ष 2000 से मलेरिया से बचाव हेतु अ्धअफ्रीका मलेरिया दिवसप् मनाया जाने लगा। वर्ष 2007 में विश्व स्वास्थ्य संगठन की पहल एवं सहभागिता के कारण मलेरिया दिवस को संपूर्ण विश्व में विश्व मलेरिया दिवस के रूप में वर्ष 2008 से मनाया



जाने लगा। तब से प्रत्येक वर्ष 25 अप्रैल को संपूर्ण विश्व में विश्व मलेरिया दिवस मनाया जाता है। वैश्विक स्तर पर जन सहभागिता एवं जागरूकता के कारण मलेरिया क्सेों में निरंतर कमी दर्ज की गयी है। भारत सरकार द्वारा वर्ष 2030 तक मलेरिया से उन्मूलन का लक्ष्य रखा गया है। इस मौके पर जिला मलेरिया अधिकारी की उपस्थिति में उपस्थित कर्मचारियों द्वारा स्वस्थ ग्रहण किया गया। इस बार विश्व मलेरिया दिवस की थीम है अर्थात मलेरिया हमारे साथ समाप्त होती है पुनर्निवेश

पुनर्कल्पनाए पुनर्जीवन। इस अवसर कर मलेरिया विभाग की टीम द्वारा लखीमपुर नगरीय क्षेत्र के नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र.निर्मलनगर में एक कैम्प का आयोजन किया गया। कैम्प में कुल 24 बुखार के पीड़ितों की मलेरिया जांच की गयी जिसमें सभी निगेटिव पाए गए।

साथ ही जिला मलेरिया अधिकारी द्वारा बताया गया कि आम लोग मलेरिया घु मच्छर से बचाव हेतु सरल उपाय अपनाकर इस बीमारी से निजात पा सकते हैं। लोग अपने घर के आस.पास कूड़ा व पानी जमा नहीं होने देंए अपने गली मोहल्ले को साफ रखने में सहयोग करें। पूरी बांह के कपड़े पहनें। सोते समय मच्छरदानीए क्रायलए ऑलआउटए मच्छररोधी कोम का उपयोग करें। इस उपाय को अपनाकर मलेरिया की बीमारी से बच सकते हैं। इस अवसर पर जनपद के समस्त प्राथमिक एवं माध्यमिक मलेरिया केंद्रों में सुबह की प्राथना के समय छात्रों की शपथ दिलायी गयी तथा मलेरिया से बचाव हेतु उनके जागरूक भी किया गया।

कानपुर देहात। प्रदेश की अर्थ व्यवस्था में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों का बहुत महत्वपूर्ण स्थान है। प्रदेश के औद्योगिक विकास के साथ.साथ अधिक से अधिक रोजगार सृजित करने हेतु सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यमों के विकासए हस्तशिल्पियों के विकास तथा निर्यात प्रोत्साहन हेतु राज्य सरकार सतत् प्रयत्नशील है। सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम कम पूँजी में स्थापित एवं व्यापक स्तर पर रोजगार सृजित करते हैं और पर्यावरण की दृष्टि से भी अधिक अनुकूल होते हैं। इन उद्यमों से प्रदेश का समावेशी एवं बहुआयामी विकास होता है।

प्रदेश के औद्योगिक विकास तथा तथा रोजगार सृजन में सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यमों के महत्व को ध्यान में रखते हुए इन उद्योगों को प्रोत्साहित करने एवं इस क्षेत्र में अधिक से अधिक रोजगार सृजित किये जाने हेतु प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने नवीन एमएसएमई नीति.2022 घोषित की है। नई नीति में रोजगार सृजन में 15 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि प्रस्तावित है। उद्योग स्थापना के लिए

यूपी बोर्ड की परीक्षा में एक बार फिर बजा सीतापुर का डंका बजा...

हाईस्कूल में अर्पित वर्मा ने प्रदेश में तीसरा व इण्टर में मृदुल युगारत्ना वर्मा ने दसवां स्थान प्राप्त कर लहराया परचम

● **सात परीक्षार्थियों ने यूपी टॉप टेन में जगह बनाकर जनपद और विद्यालय को किया गौरवान्वित**

सीतापुर। यूपी बोर्ड की परीक्षा में एक बार फिर सीतापुर का डंका बजा है। हाईस्कूल की बोर्ड परीक्षा में सीतापुर के 7 परीक्षार्थियों ने यूपी टॉप टेन में जगह बनाकर जनपद और विद्यालय को गौरवान्वित किया है। जबकि इंटरमीडिएट परीक्षा में दो परीक्षार्थियों ने टॉप-टेन में जगह बनाई है। खास बात यह है कि ये सभी परीक्षार्थी तहसील महमूदाबाद क्षेत्र में स्थापित विद्यालयों के विद्यार्थी हैं। हाईस्कूल परीक्षा में बाबूराम सावित्री देवी इंटर कॉलेज पहला के



अर्पित वर्मा, मृदुल, युगरत्ना वर्मा।

अर्पित वर्मा ने 97.50 प्रतिशत अंकों के साथ प्रदेश में तृतीय स्थान प्राप्त किया है। महमूदाबाद के ही सरदार सिंह कॉन्वेंट इंटर कॉलेज की सिद्धि सिंह, बाबूराम सावित्री देवी इंटर कॉलेज पहला के शिवम यादव ने 96.83 प्रतिशत अंकों के साथ सातवें पायदान पर कब्जा जमाया है। इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा में सीता बाल विद्या मंदिर इंटर कॉलेज महमूदाबाद के मृदुल, युगरत्ना वर्मा ने

95 प्रतिशत अंकों के साथ प्रदेश में दसवां स्थान प्राप्त किया है। डीआईओएस राजेंद्र सिंह ने बताया कि हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा के लिए सीतापुर में 146 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। जिसमें हाईस्कूल में 25 हजार 674 बालक, 21 हजार 958 बालिकाएं कुल 47 हजार 632 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। जबकि इंटरमीडिएट में 24 हजार 200 बालक, 20 हजार 332 बालिकाएं कुल 44 हजार 532 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। इनमें हाईस्कूल के 44 हजार 875 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए, जिसमें से 40 हजार 811 परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए। जबकि इंटरमीडिएट में 43 हजार 158 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए थे, जिसमें से 33 हजार 868 परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए।

न्यूज

सदर विधायक ने सड़क निर्माण के लिये किया भूमि पूजन

कुरार (हमीरपुर)। विकास खंड क्षेत्र के मटपुरा जलाला के मजरा जमरेशी तीर गांव के लिए सड़क निर्माण के लिए भूमि पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें ब्लॉक प्रमुख सहित सदर विधायक मौजूद रहे। क्षेत्र मटपुरा जलाला के मजरा जमरेशी तीर तब गामीणों को आवागमन के लिए सड़क नहीं थी। इसके निर्माण की मांग गामीणों व समाज सेवियों द्वारा की जा रही थी। तीन किलोमीटर सड़क का निर्माण नाबार्ड संस्था द्वारा स्वीकृत कार्यदायी संस्था लोकनिर्माण निगम द्वारा कराया जाना है। इसके भूमिपूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसने मुख्य अतिथि सदर विधायक डा मनोज प्रजापति व ब्लॉक प्रमुख अतीश पालीवाल व पूर्व जिला अध्यक्ष बृजकिशोर गुप्ता ने वेद मंत्रों के साथ भूमि पूजन किया। तथा सड़क निर्माण का शुभारंभ किया गया।उक्त अवसर एर विधायक ने कब कि सरकार द्वारा गामीण क्षेत्र के लोगों को आवागमन के लिए पक्की सड़क का निर्माण कराया जा रख है। जिससे लोगो को आवागमन की सुविधा मिल सकेगी। महमऊरी राहुल द्विवेदी प्रधान प्रतिनिधि अन्य निगम बंसू श्रीवास्तव दीपक सिंह और बल करन सिंहऔर शोभित तिवारी रमा पाल प्रवीण निषाद सहित दोनो गांव के गामीण मौजूद रहे।

पुलिस अधीक्षक ने किया थाने का औचक निरीक्षण

कानपुर देहात। थाना रूरा में शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक अरविंद मिश्रा ने औचक निरीक्षण किया। शुक्रवार करीब शाम पांच बजे अवानक थाना रूरा पहुंचे थाना परिषद, पुलिस आवासएमहिला बैरकएपुरुष बैरकए मेस का निरीक्षण कर साफरसफाई के साथ आवश्यक दिशा निर्देश दिए। महिला हेल्प डेस्क पर आई शिकायतों एवं उनके निस्तारण रजिस्टर को देखा व घटिया हेल्प डेस्क में तैनात सिपाही जया ने कार्यवाही से अवगत कराया जिससे पुलिस अधीक्षक संतुष्ट नजर आए। इसके बाद पुलिस अधीक्षक ने थाने में खुले में लटक रहे केबिल को हटाने को कह साथ ही अपराध रजिस्टरए स्टॉक रजिस्टरए लंबित विवेचना को रीध निस्तारण के निर्देश दिए। इसके साथ ही कस्बे में पैदल गस्त कर सुरक्षा का एहसास दिलाया।

मारुति की टकर से मासूम की मौत

फतेहपुर। खाना कोतवाली क्षेत्र के गाम संवतमऊ में शुक्रवार की सुबह घर के बाहर खेल रहे चार वर्षीय मासूम को विपरीत दिशा से आ रही मारुति वैन ने टक्कर मार दिया। जिससे मासूम गंभीर रूप से घायल हो गया। उघार के लिए जिला चिकित्सालय लाया गया। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। उघर चालक मौके पर गाड़ी छोडकर भाग जाने में सफ़ल रहा। जानकारी के अनुसार संवतमऊ गांव निवासी जलाधर का पुत्र प्रियस शुक्रवार की सुबह घर के सामने खेल रहा था। तभी तेज रफ़तार आ रही मारुति वैन ने डीएल-5सीजे/2046 ने टक्कर मार दिया, जिससे मासूम गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद जलाधर मौके पर ही गाड़ी छोडकर भाग जाने में सफ़ल रहा। उघर पारिजन मासूम को लेकर जिला चिकित्सालय आये जस इमरगेन्सी में तैनात चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को विछेडन गृह भेज दिया।

खौलती चाय से युवती झुलसी

फतेहपुर। खाना कोवातली क्षेत्र के गाम मझटेनी में शुक्रवार की सुबह खौलती चाय उपर गिर जाने से 20 वर्षीय युवती झुलस गयी, जिसे उघार के लिए सफ़र अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार मझटेनी गांव निवासी योगेन्द्र दापाप की पुत्री आरोपणी शुक्रवार की सुबह चाय बना रही थी। तभी अचानक बरका लग जाने से खौलती चाय उसके उघर जा गिरी जिससे वह बुरी तरह झुलस गयी। सरकारी एम्बुलेंस ने झुलसी युवती को उघार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया।

लोडर से कुचलकर साइकिल सवार मजदूर की मौत

फतेहपुर। शुक्रवार की सुबह भयानक सड़क हादसे में साइकिल सवार एक मजदूर की तब जान चली गई, जब लोडर के नीचे दब गया। घटना इस्तेगाम थाना क्षेत्र के सात नीली तिरहे के पास हुई। जहां लोडर की एपेट में आने मजदूर का सिर कुचल गया और उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गयी। पीड़ित सुबह साइकिल से मजदूरी करने जा रहा था, लेकिन उसका सफ़र एक मौषण त्रासदी में बदल गया। जानकारी के मुताबिक थाना क्षेत्र के पक्षी गांव निवासी मनोज कुमार देवास (54) मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करता था। बताया जा रहा है कि शुक्रवार की सुबह करीब 6 बजे साइकिल पर सवार होकर घर से मजदूरी के लिए निकला था। इस बीच जैसे ही मनोज सात नीली तिरहे के पास पहुंचा तभी अचानक पीछे से आ रहे तेज रफ़तार अनिश्चित लोडर ने साइकिल में जबरदस्त टक्कर मार दी। वहीं सड़ स्पिड के कारण लोडर पलट गया। जिससे सिर कुचल कर मौके पर ही उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

अप्र सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम योजनान्तर्गत कम पूँजी में उद्यम स्थापना व रोजगार सृजन में अग्रणी

भूमि क्रय किये जाने पर पूर्वान्व्ल एवं बुन्देलखण्ड क्षेत्र तथा सम्पूर्ण प्रदेश की महिलाओं के लिए 100 प्रतिशत तथा शेष क्षेत्र में 75 प्रतिशत स्ट्याम्प ड्यूटी में छूट प्रदान की जा रही है। प्रदेश में निवेश मित्र के माध्यम से उद्यमियों को उद्यम स्थापना के क्रम में वांछित अनापत्तिह् लाइसेन्स/अनुमति आदि को प्राप्त करने की पूर्णतया आनलाइन व्यवस्था की गयी है जिससे उद्यमी समयबद्ध रुप से स्वीकृतिथि आदि प्राप्त कर रहे हैं। तत्क्रम में विभाग की रोजगार परक योजना यथा मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना तथा एक जनपद एक उत्पादए वित्त पोषण योजना को निवेश मित्र पोर्टल से लिंक करा दिया गया है जिससे आवेदन कर्ताओं को आवेदन करने में और अधिक सुविधा प्राप्त हो गयी है। उक्त के साथ ही पोर्टल के माध्यम से योजनाओं का अनुश्रवण भी अधिक प्रभावी ढंग से सुनिश्चित कराया जा रहा है।

प्रदेश सरकार द्वारा अधिकाधिक उद्यमों की स्थापना हेतु प्रोत्साहनात्मक वातावरण का सृजन किया गया है।

एमएसएमई अधिनियम के माध्यम से इकाईयों को 1000 दिनों तक किसी भी विभाग के निरीक्षण से छूट प्रदान की गयी है। इसी प्रकार प्रदेश सरकार के इन प्रयासों से उद्यम रजिस्ट्रेशन पोर्टल पर लाखों उद्यम पंजीकृत हुये तथा प्रदेश में 96 लाख एमएसएमई इकाइयां संचालित हैए जिनमें लगभग 02 करोड़ लोगों को रोजगार मिला है। प्रदेश सरकार द्वारा उद्यमियों के विलम्बित भुगतान की समस्या के त्वरित निराकरण हेतु राज्य स्तर पर गठित फैंसिलिटेशन कार्डसिल की व्यवस्था को मण्डल स्तर पर विकेन्द्रीकृत किया गया हैए जिससे उद्यमियों की समस्या का निराकरण शीघ्र हो सके।

सूक्ष्म उद्यमियों की आकस्मिक दुरुष्टता की स्थिति में इनके परिवार संकट में आ जाते हैं। इस हेतु प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने मुख्यमंत्री सूक्ष्म उद्यमी दुरुष्टता बीमा योजना :नई योजनाद्वु लागू की है। सूक्ष्म उद्यमियों के दुरुष्टता प्रस्त होने पर इन इकाईयों को अधिकतम रू0 5००0 लाख तक की सीमा तक

वित्तीय सहायता प्रदान किये जाने की व्यवस्था है।

विभागीय रोजगारपरक योजनाएं यथा मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगारए विश्वकॉम श्रम सम्मान योजनाए एक जनपद.एक उत्पादए वित्त पोषण एवं एक जनपद.एक उत्पाद उत्पाद टुलफिक योजनान्तर्गत किया जाता है। अनुसूचित जातिध्वनजातिध्वछड़ा वर्ग के युवाओं को रोजगार प्रदान कराने व उनकी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने हेतु इन वर्गों की प्रशिक्षण योजनायें भी संचालित है। एक जनपद एक उत्पाद योजनान्तर्गत ओडीओपी उत्पादों की ऑनलाइन विक्री हेतु निगम का ई.कॉमर्स पोर्टल फ़वरी, 2020 में अधिक ओडीओपी हस्तशिल्पियों (वेपश्रों) का पंजीयन किया गया है। प्रदेश के सभी 75 जनपदों के 1020 से ज्यादा उत्पाद पोर्टल पर विक्री के लिए

उपलब्ध है। निगम द्वारा प्रदेश के 21 जनपदों के ओडीओपी हस्तशिल्पियों एवं कारीगरों की वर्चुअल ट्रेनिंग एवं वर्कशॉप का आयोजन किया गया सभी प्रतिभागी कार्पी लाभान्वित हुए और पोर्टल पर पंजीयन हेतु प्रेरित हुए। देश के निर्यात में प्रदेश की भागीदारी को दोगुना करके प्रदेश के आर्थिक विकास के पथ को प्रशस्त करने के उद्देश्य से एक्सपो मार्टए लखनऊ एवं ग्रेटर नोएडाए की स्थापना भी की गई है। विश्व प्रसिद्ध भदोही के कलात्मक ऊनी कालीनों एवं ऊनी दरियों के उत्पादन को निर्यात के अतिवृद्धि हेतु पहाड़ी में प्बदोही कार्पेट बाजार ,एक्सपों मार्टद्वृष की स्थापना की गयी है। औद्योगिक विकास में जिला उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन केन्द्रों की महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत आधुनिक रूप में विकसित कर उन्हें कारपोरेट जुक दिये जाने हेतु प्रतिवर्ष पौर्ण.पंच जिला उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन केन्द्रों का उन्वीकरण एवं आधुनिकीकरण की योजना लागू की गयी है।

पाकिस्तान को 2023 दौरे के लिए भुगतान न करने के कारण अजलान शाह क्प के लिए आमंत्रित नहीं किया गया

क़राची। (भाषा) मलेशिया हॉकी महासंघ ने जोहर हॉकी संघ को १०,३49 अमेरिकी डॉलर के बकाए का भुगतान नहीं करने के कारण पाकिस्तान को पार्किंगअजलान शाह क्प केलिए आमंत्रित नहीं किया है। पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) केएकसूत्र नेक्व किजोहर संघ ने पीएचएफ को आधिकारिक पत्र भेजा है जिसने अक्टूबर 2023 ने टीम केसाथ मलेशिया गए पीएचएफ अधिकारियों और उनकेपरिशेरे के आवास, यात्रा और अन्य खर्चों के लिए भुगतान वीं जाने वाली राशि के बारे मे संख्ता लहजे ने बताया गया है। पाकिस्तान वीं टीम जोहर हॉकी क्प खेलने के लिए मलेशिया गई थी और पीएचएफ केकुछ अधिकारी और उनकेपरिशर भी टीम के साथ गए थे।एकसूत्र ने बताया, 'टीम के ठहरने और अन्य खर्चों का वहां आयोजनो को बता दिया गया था किउन्हें अपने सभी खर्च खुद ही उताने हेंगे। ए अधिकारी भी उसी आलीशान होटल मे रकें थे जहां टीम ठहरै हुई थी। इसने पीएचएफ केपूर्व अध्यक्ष भी शामिल थे। जोहर संघ ने पहले ही इस मुद्दे को मलेशिया महासंघ के समक्ष उठाया है और धमकी दी है कि अगर बकया राशि का भुगतान नहीं किया गया तो वे इस मामले को एफआईएफ (अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ) के समक्ष ले जाएंगे।सूत्र ने क्व, पीएचएफ केमौजूदा अध्यक्ष और उनकी टीम इस मामले को लेकर परेशानी ने है, क्योंकिमहासंघ पहले से ही आर्थिकतंगी से जुड़ा रस है और उन्हे पीएचएफ केपूर्व अधिकारियों द्वारा किए गए इन खर्चों के बारे मे जानकारी नहीं थी।

उम्मीद है कि योगासन को ओलंपिक खेल के रूप में देखेंगे: खेलमंत्री



नई दिल्ली। (भाषा) योग को विश्व के लिए भारत का उपहार बताते हुए खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि दुनिया में जिस तरह से योग का प्रचार हो रहा है, उम्मीद है कि जल्दी ही योगासन को ओलंपिक खेल के रूप में देखेंगे।

यहां दूसरी एशियाई योगासन चैम्पियनशिप के उद्घाटन के मौके पर मांडविया ने कहा, 'योग विश्व के लिए भारत का बहुत बड़ा उपहार है। हम भाग्यशाली हैं कि हमें विरासत में योग मिला और योग से ही वसुधैव कुटुम्बकम निकला जो हमारा संस्कार है। उन्होंने विश्व योगासन के अध्यक्ष स्वामी रामदेव से दुनिया के विभिन्न देशों में योग महासंघ के गठन का अनुरोध करते हुए उन्होंने कहा कि इससे योगासन को ओलंपिक खेल का दर्जा मिलने का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने कहा, 'दुनिया में आज जिस तरह से योग प्रचारित हो रहा है, मैं स्वामी रामदेव से अनुरोध करूंगा कि अगर दुनिया भर में अपने अपने देश में योग महासंघ का गठन हो जाएगा तो हम जल्दी ही योगासन को ओलंपिक खेल के रूप में देखेंगे।

मांडविया ने कहा, ओलंपिक में योगासन में पदक चाहे कोई भी जीते लेकिन श्रेय भारत का रहेगा। भारत सरकार ने दिसंबर 2020 में योगासन को प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में मान्यता

एनसी क्लासिक में पाकिस्तान के नदीम को न्योता देने से नफरत और अपमान झेल रहा हूं : नीरज

नई दिल्ली। (भाषा) भारत के भालाफेंक चैम्पियन नीरज चोपड़ा ने शुक्रवार को कहा कि पाकिस्तान के भालाफेंक खिलाड़ी अरशद नदीम को बेंगलुरु में अगले महीने होने वाले नीरज चोपड़ा क्लासिक में भाग लेने का न्योता देने पर उन्हें नफरत और अपमान झेलना पड़ रहा है हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद ओलंपिक चैम्पियन नदीम का यहां खेलने के सवाल ही पैदा नहीं होता।
तोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण और पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाले चोपड़ा ने कहा कि वह यह देखकर दुखी है कि सोशल मीडिया पोस्ट में उनकी ईमानदारी पर सवाल उठाए जा रहे हैं और उनके परिवार को भी अपशब्द कहे जा रहे हैं। चोपड़ा ने नदीम को 24 मई को बेंगलुरु में होने वाले पहले नीरज चोपड़ा क्लासिक में भाग लेने के लिए बुलाया था। नदीम ने पेरिस ओलंपिक में चोपड़ा को हराकर स्वर्ण पदक जीता था। नदीम ने मसरूफियत का हवाला देकर न्योता ठुकरा दिया था। चोपड़ा ने सोशल मीडिया पर लंबी पोस्ट में लिखा, 'नीरज चोपड़ा क्लासिक में भाग लेने के लिए अरशद नदीम को मेरे निमंत्रण पर काफी बातें हो रही हैं और ज्यादातर घृणा और अपमानजनक हैं। उन्होंने मेरे परिवार को भी नहीं छोड़ा।

उन्होंने लिखा, 'मैं आम तौर पर ज्यादा बोलता नहीं हूं लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि मैं गलत के खिलाफ नहीं बोलूंगा। वह भी तब जब हमारे लिए के लिए



मेरे प्यार पर सवाल उठाए जा रहे हैं और मेरे परिवार के सम्मान का सवाल है। चोपड़ा ने कहा कि निमंत्रण पहलगाम पर आतंकवादी हमले से दो दिन पहले सोमवार को भेजा गया। पहलगाम हमले में 26 लोगों की मौत हो गई जिसमें अधिकांश पर्यटक थे। चोपड़ा ने कहा, 'मैंने अरशद को जो न्योता भेजा, वह एक खिलाड़ी से दूसरे खिलाड़ी को था। इससे ज्यादा या कम कुछ नहीं। नीरज चोपड़ा

क्लासिक का मकसद भारत से सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को सामने लाना और हमारे देश में विश्व स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन करना है। उन्होंने लिखा, 'सभी खिलाड़ियों को पहलगाम में आतंकवादी हमले से दो दिन पहले सोमवार को न्योते भेजे गए। उन्होंने लिखा कि पिछले दो दिन में जो कुछ हुआ, उसके बाद नदीम के खेलने का सवाल ही नहीं था। उन्होंने लिखा, 'पिछले 48

घंटे में जो हुआ, उसके बाद एनसी क्लासिक में अरशद के खेलने का सवाल ही नहीं था। मेरे देश और उसके हित हमेशा सर्वोपरि हैं। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उन लोगों के साथ हैं जिन्होंने अपनों को खोया है। पूरे देश के साथ मैं भी दुखी और खफा हूं। उन्होंने कहा, 'मुझे यकीन है कि हमारे देश का जवाब एक राष्ट्र के रूप में हमारी शक्ति दिखा देगा और ईसाफ होगा। सेना से जुड़े चोपड़ा ने कहा, 'मैं इतने साल से गर्व से अपने देश का प्रतिनिधित्व कर रहा हूं और मेरी ईमानदारी पर सवाल उठने से मैं दुखी हूं। मुझे दुख है कि मुझे उन लोगों के सामने सफाई देनी पड़ रही है जो मुझे और मेरे परिवार को अकारण निशाना बना रहे हैं। उन्होंने कहा, हम सभी सदे लोग हैं। हमें और कुछ मत बनाइए। मेरे बारे में मीडिया में मनगढ़ंत बातें कही जा रही हैं। सिर्फ इसलिए कि मैं बोलता नहीं हूं, इसके यह मायने नहीं है कि यह सच है। चोपड़ा ने कहा कि पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण जीतने के बाद नदीम को अपना ही बच्चा बताने वाली उनकी मां के बयान को लेकर कैसे लोगों के मत बदल गए। उन्होंने कहा, 'मुझे समझ में नहीं आ रहा कि लोगों के सूर कैसे बदल जाते हैं। जब मेरी सीधी सादी मां ने एक साल पहले एक मासूम सा बयान दिया तो हर जगह तारीफ हो रही थी। आज लोग उसी बयान को लेकर उन्हें निशाना बना रहे हैं। उन्होंने लिखा, 'मैं और भी मेहनत करूंगा ताकि दुनिया भारत को याद रखे और इसे सम्मान के भाव से देखे।

सुपरकिंग्स पर सनराइजर्स की पांच विकेट की जीत में चमके हर्षल

चेन्नई। (भाषा) हर्षल पटेल की तूफानी गेंदबाजी के बाद बल्लेबाजों के उम्दा प्रदर्शन से सनराइजर्स हैदराबाद ने इंडियन प्रीमियर लीग में शुक्रवार को यहां अंक तालिका की दो सबसे निचली टीमों की जंग में चेन्नई सुपरकिंग्स को पांच विकेट से हराकर प्ले ऑफ में जगह बनाने की उम्मीद बरकरार रखी। इस हार के बाद सुपरकिंग्स को प्ले ऑफ में जगह बनाने की उम्मीद लगभग खत्म हो गई है। सनराइजर्स की टीम नौ मैच में छह अंक से आठवें जबकि सुपरकिंग्स की टीम इतने ही मैच में चार अंक से 1०वें और अंतिम स्थान पर है।

सुपरकिंग्स के 155 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सनराइजर्स ने इशान किशन (44), कार्मिंदु मंडिस (नाबाद 32) और नितिश कुमार रेड्डी (नाबाद 19) की परिश्रों से 18.4 ओवर में पांच विकेट पर 155 रन बनाकर जीत दर्ज की। मंडिस और नितिश ने छठे विकेट के लिए 49 रन की अटूट साझेदारी करके टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। सनराइजर्स की सुपरकिंग्स के खिलाफ चेन्नई में यह पहली जीत है। सुपरकिंग्स ने मौजूदा सत्र में अपने परेलू मैदान पर अब तक चारों मैच गंवाए हैं हर्षल (28 रन पर चार विकेट), कप्तान पैट कर्मिस (21 रन पर दो विकेट) और जयदेव उनादकट (21 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने सुपरकिंग्स ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और टीम 19.5 ओवर में 154 रन पर सिमट गई। सुपरकिंग्स की ओर से डेवाळड ब्रेविस ने 25 गेंद में चार छकों और एक चौके से सर्वाधिक 42 रन बनाए। युवा सलामी बल्लेबाज आयुष म्हात्रे ने 19 गेंद में छह चौकों से 30 रन की पारी खेली। इन दोनों के अलावा दीपक हुड्डा (22) और



रविंद्र जडेजा (21) ही 20 रन के आंकड़े को पार कर पाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरे सनराइजर्स ने पारी की दूसरी ही गेंद पर अभिषेक शर्मा (०0) का विकेट गंवा दिया जिन्होंने खलील अहमद को गेंद पर आयुष को कैच धमाया। ट्रेविस हेड (19) ने खलील पर चौके से खाता खोला और फिर अंशुल कंबोज पर दो चौके मारे। इशान किशन ने कंबोज पर चौका जड़ने के बाद खलील पर लगातार दो चौके मारे। अंशुल ने हेड को बोल्ड करके सनराइजर्स को दूसरा झटका दिया। टीम ने पावर प्ले में दो विकेट और नदीम को गेंद पर आयुष ने मथंसा पथिराना पर दो चौके जड़कर गेंद और रन के बीच के अंतर को कम किया। सनराइजर्स को अंतिम तीन ओवर में जीत के लिए 41 रन की दरकार थी। मंडिस ने नूर पर एक जबकि नितिश कुमार रेड्डी ने मथंसा पथिराना पर दो चौके जड़कर गेंद और रन के बीच के अंतर को कम किया। सनराइजर्स को अंतिम तीन ओवर में जीत के लिए 13 रन की जरूरत थी जो उसने आसानी से बना लिए। इससे पहले कर्मिस के टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया जिसके बाद सुपरकिंग्स ने मैच की पहली ही गेंद पर शेख रशीद (०0) का विकेट गंवा दिया जिन्होंने मोहम्मद शमी (28 रन पर एक विकेट) की गेंद पर रिलप में अभिषेक को कैच धमा दिया।आयुष एक बार फिर लक्ष्य में नूर

अहमद पर छक्का मारा लेकिन अगली ही गेंद पर कुरेन के हाथों लपके गए। उन्होंने 34 गेंद की अपनी पारी में पांच चौके और एक छक्का मारा।सनराइजर्स के रनों का शतक 14वें ओवर में पूरा हुआ लेकिन नूर ने इसी ओवर में अनिकेत (19) को पवेलियन भेज दिया। सनराइजर्स को अंतिम पांच ओवर में जीत के लिए 41 रन की दरकार थी। मंडिस ने नूर पर एक जबकि नितिश कुमार रेड्डी ने मथंसा पथिराना पर दो चौके जड़कर गेंद और रन के बीच के अंतर को कम किया। सनराइजर्स को अंतिम तीन ओवर में जीत के लिए 13 रन की जरूरत थी जो उसने आसानी से बना लिए। इससे पहले कर्मिस के टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया जिसके बाद सुपरकिंग्स ने मैच की पहली ही गेंद पर शेख रशीद (०0) का विकेट गंवा दिया जिन्होंने मोहम्मद शमी (28 रन पर एक विकेट) की गेंद पर रिलप में अभिषेक को कैच धमा दिया।आयुष एक बार फिर लक्ष्य में नूर

नजर आए। उन्होंने शमी पर चौके से खाता खोलने के बाद कर्मिस पर भी दो चौके मारे। आयुष ने उनादकट का स्वागत भी लगातार दो चौकों के साथ किया।हर्षल ने सैम कुरेन (०9) को अनिकेत वर्मा के हाथों कैच कराके सुपरकिंग्स को दूसरा झटका दिया। आयुष भी अगले ओवर में कर्मिस की गेंद को सीधे इशान किशन के हाथों में खेले गए जिससे सुपरकिंग्स ने पावर प्ले में तीन विकेट पर 50 रन बनाए। जीशान सारी की गेंद पर जडेजा भाग्यशाली रहे जब लॉग ऑफ पर हर्षल ने उनका कैच टपका दिया। जडेजा ने जीशान पर छक्का जड़ा लेकिन अगले ओवर में कार्मिंदु मंडिस की गेंद पर बोल्ड हो गए। शिवम दुबे और ब्रेविस ने इसके बाद पारी को आगे बढ़ाया। दुबे ने शमी पर लगातार दो चौके मारे जबकि सुपरकिंग्स के लिए आईपीएल में पदार्पण कर रहे ब्रेविस ने 12वें ओवर में मंडिस पर तीन छकों के साथ टीम के रनों का शतक पूरा किया।

खेल-खिलाड़ी

मुंबई इंडियंस से प्रेरित मोईन ने क्वा केकेआर के पास भी है लय में वापसी करने का दमखम

कोलकाता। (भाषा) कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) आठ मैचों में से सिर्फ तीन जीत के साथ इस समय संघर्ष कर रही है लेकिन टीम के स्पिन गेंदबाजी हरफनमौला मोईन अली का मानना है कि गत चैंपियन के पास वापसी करने और आईपीएल 2025 के प्लेऑफ में जगह बनाने का दमखम है। केकेआर की मजबूत दिखने वाली बल्लेबाजी क्रम उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी है और टीम अंक तालिका में सातवें स्थान पर खिसक गई है। केकेआर को प्लेऑफ में पहुंचने के लिए बचे हुए छह में से कम पांच जीतने होंगे। मोईन ने पंजाब किंग्स के खिलाफ शनिवार को यहां खेले जाने वाले मैच की पूर्व संंध्या पर कहा, हां, निश्चित रूप से (हम प्लेऑफ में जगह बना सकते हैं)। मुंबई की भी शुरुआत खराब रही थी और अब वे लगातार चार मैच जीत चुके हैं और वे तेजी से आगे बढ़ें हैं। हमें भी इसी तरह की मानसिकता रखनी होगी। हमने लगभग आधा सफर तय कर लिया है और हमें अब ज्यादातर मैचों में जीत दर्ज करनी होगी। इंग्लैंड के इस हरफनमौला ने कहा, इस टीम ने दिखाया है कि वे रन बना सकते हैं। लेकिन ऐसा करने के लिए दृढ़ संकल्प और विश्वास की बहुत जरूरत है। केकेआर को सबसे ज्यादा निराशा मध्यक्रम के बल्लेबाजों से हुई है। वेंकटेश अय्यर, रिंकु सिंह आंद्रे रसेल और रमनदीप सिंह जैसे बल्लेबाज बल्ले से प्रभावी योगदान देने में विफल रहे हैं। पंजाब किंग्स के खिलाफ टीम अपने पिछले मैच में जीत के लिए 112 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दो विकेट पर 62 रन बनाकर अच्छी स्थिति में थी लेकिन उसने आखिरी आठ विकेट महज 33 रन के अंदर गवां दिए। इससे पहले टीम लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ जीत के लिए 239 रन का पीछा करते समय मजबूत स्थिति में थी लेकिन चार रन दूर रह गई। मोईन ने कहा, अभी कुछ समय पहले की बात है जब हम लगभग 240 रन का पीछा करने की स्थिति में थे। यह मानसिकता बनाए रखने के बारे में है। उन्होंने कहा, हमने पिछले दो मैचों में जिस तरह से बल्लेबाजी की है उससे हम बहुत ज्यादा मैच नहीं जीत पाएंगे। यह उस देबाव को दूर करने और अपने कोशल को दिखाने के बारे में है। मोईन ने कहा, हमारी आखिरी ताकत यह है कि हमारे पास सुनील नारायण जैसे खिलाड़ी हैं जो बेहद आक्रामक हो सकते हैं। अजिंक्य (राहुणे) जैसे कलात्मक बल्लेबाज भी हैं, जो शानदार फॉर्म में हैं। अंगकृष (रघुवंशी) शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं, और फिर वेंकी (वेंकटेश अय्यर), रिंकु (सिंह), मैं, (आंद्रे) रसेल, हमारे पास सब कुछ मौजूद हैं। उन्होंने कहा, हमारे पास वास्तव में प्रतियोगिता में सबसे मजबूत बल्लेबाजी लाइनअप में से एक है। अंगकृष और अजिंक्य जैसे कुछ खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन एक इकाई के रूप में हम अच्छा नहीं कर पाए हैं। यह सिर्फ इसे बदलने की बात है।

ऑस्ट्रेलिया दौरे से खुद का आक्लन करने में मदद मिलेगी : महिला हॉकी कोच हरेंद्र

पथ। (भाषा) भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने शुक्रवार को कहा कि शनिवार से शुरू हो रहे आस्ट्रेलिया दौरे से टीम को खुद का आकलन करने में मदद मिलेगी और इस दौरे पर भविष्य को ध्यान में रखकर विभिन्न संयोजन आजमाए जाएंगे। सलीमा टेरे की कप्तानी वाली भारतीय टीम 26 और 27 अप्रैल को यहां आस्ट्रेलिया ए से और एक, तीन तथा चार मई को आस्ट्रेलिया की सीनियर टीम से खेलेगी। भारत और आस्ट्रेलिया के बीच अब तक खेले गए 16 मैचों में से दस आस्ट्रेलिया ने जीते जबकि तीन ड्रा रहे हैं।पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय महिला टीम के क्वालीफाई करने में नाकाम रहने के बाद यानेके शॉपमैन की जगह कोच बने हरेंद्र ने कहा, 'टीम ने बेंगलुरु में कड़ा अभ्यास किया है और इस दौरे से पता चलेगा कि हम कहां ठहरते हैं। हरेंद्र ने कहा, 'हमारा फोकस खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने का एक्सपोजर देने, टीम की गहराई बढ़ाने और नए संयोजन आजमाने पर है। आस्ट्रेलिया ए और सीनियर आस्ट्रेलिया टीम के खिलाफ उनके मैदान पर खेलने से काफी कुछ सीखने को मिलेगा और हम भविष्य के टूर्नामेंटों के लिए खुद को तैयार कर सकेंगे। भारत ने हाल ही में प्रो लीग में दो जीत दर्ज की और शूटआउट में नीदरलैंड को हराया।

भारतीय-अमेरिकी गोल्फर थिंगाला और राय वी जोड़ी ज्यूरिख क्लासिक में संयुक्त 13वें स्थान पर

अवोनडेल (अमेरिका) (भाषा) भारतीय-अमेरिकी गोल्फर साहित थिंगाला और आरोन रॉय की जोड़ी ने यहां ज्यूरिख क्लासिक गोल्फ टूर्नामेंट के पहले दिन नौ अंडर के कार्ड खेले जिससे दोनों संयुक्त रूप से 13वें स्थान पर बने हुए हैं। यह जोड़ी इसाइया सिलसडा और केविन वेलो से पांच शॉट्स से पीछे हैं जिन्होंने कुल 14 अंडर का कार्ड खेला। मास्टर्स चैंपियन रोरी मैकलरॉय ग्रीन जैकेट जीतने के बाद पहली बार खेल रहे हैं, उन्होंने शेन लॉरी के साथ जोड़ी बनाकर आठ अंडर 64 का कार्ड बनाया। अक्षय भाटिया और कार्सन यंग की एक अन्य भारतीय-अमेरिकी जोड़ी कुल आठ अंडर के कार्ड से संयुक्त 18वें स्थान पर बनी हुई है।

अदिति डबल बोगी कोच के बाद संयुक्त 61वें पायदान पर फिस्ली

द बुल्लैंड्स (टेक्सास)। (भाषा) भारतीय गोल्फर अदिति अशोक खराब मौसम से प्रभावित शेवरांन चैंपियनशिप के शुरुआती दौर में दो होल शेष रहते एक ओवर के स्कोर के साथ संयुक्त 61वें पायदान पर बनी हुई हैं। वैक नाइन (1०वें होल) से अपना खेल शुरू करने वाली अदिति बोगी से शुरुआत करने के बाद 16वें होल में बड्डी के साथ पार स्कोर पर पहुंच गए। उन्होंने इसके बाद तीसरे और चौथे होल में बड्डी लगाकर अपना स्कोर दो अंडर कर लिया। वह हालांकि इस लय को बरकरार नहीं रख सकी और छठे होल में डबल बोगी के बाद सातवें होल में बोगी कर बैठी जिससे कुल 16 होल के खेल के बाद उनका स्कोर एक ओवर का हो गया। खराब मौसम के कारण आखिरी दो होल का खेल नहीं हो सका। पहले दिन के खेल के बाद दो बार के एलपीजीए टूर विजेता हेनर रूय और यान लियू सात अंडर का स्कोर के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं।

इशांत की रफ्तार सुधारने में अहम भूमिका निभाई स्टीफन जोन्स ने

नई दिल्ली। (भाषा) भारत के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने जब 2022 में इशांत शर्मा से कहा था कि टीम टेस्ट प्रारूप में उन्हें नहीं देख रही है तो इस तेज गेंदबाज के लिए चीजें काफी मुश्किल हो गई थीं। इशांत उस समय लगभग 33 वर्ष के थे। वह लाल गेंद के क्रिकेट में इतना अच्छा नहीं कर पा रहे थे और उनकी गति पर भी असर पड़ा था। इसी वर्ष आईपीएल भी नहीं खेल पाए थे। यह जानते हुए कि भारत में वापसी एक दूर का सपना था। इशांत ने लाल गेंद के क्रिकेट में कटौती की, लेकिन आईपीएल को ध्यान में रखते हुए सबसे छोटे प्रारूप पर काम किया। और फिर उन्हें इंग्लैंड के स्टीफन जोन्स का साथ मिला जिन्होंने इस अनुभवी तेज गेंदबाज को वापसी कराने में मदद की। जोन्स के पास कैमब्रिज और लॉफेबोरो यूनिवर्सिटी दोनों की डिग्री है। उन्होंने नॉर्थयम्पटनशायर, डर्बीशायर, केंट और समरसेट के लिए 20 साल तक पेशेवर काउंटी क्रिकेट खेला। लेकिन जब उन्होंने क्रिकेट कोचिंग शुरू की तो वह केवल लेवल 3 कोच ही नहीं बने बल्कि

उन्होंने खेल विज्ञान में डिग्री के साथ-साथ स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग में भी प्रमाण पत्र हासिल किया। इससे उन्हें तेज गेंदबाजी को हर पहलू से जानने का मौका मिला।इस आईपीएल सत्र में इशांत ने गुजरात टाइटन्स के लिए पांच मैच में तीन विकेट झटके हैं, उनके आंकड़े थले ही बहुत बढ़िया न हों। लेकिन जिस चीज ने सभी को चौंकाया है, वह है सभी गेंद 140 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से फेंकने की क्षमता। जोन्स ने कहा, इशांत ने 2017-18 के आसपास मुझे संपर्क किया था। मुझे लगता है कि तब वह भारत के इंग्लैंड के दौरे पर यहां आए थे। उन्होंने बस सवाल पूछे। उन्हें मेरे कोचिंग का तरीका पसंद आया। जोन्स अब पेस लेब नामक एक कंपनी चलाते हैं, उन्होंने पीटीआई से बातचीत के दौरान बताया, उन्हें मेरा हर चीज को बारीक्यां देखने का तरीका पसंद आया जो खेल विज्ञान से प्रेरित है जिसमें खेल के तकनीकी और शारीरिक पहलूओं पर बहुत साग ज्ञान शामिल है। शुरुआत में मैंने उन्हें ऑनलाइन कोचिंग देना शुरू किया।

कोरिया में एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए भारत की 59 सदस्यीय टीम, नीरज नहीं खेलेंगे

नई दिल्ली। (भाषा) भारत ने दक्षिण कोरिया में होने वाली आगामी एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए शुक्रवार को 59 सदस्यीय टीम की घोषणा की। स्टा भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा उम्मीद के मुताबिक इस प्रतियोगिता में शामिल नहीं होंगे जबकि कोच्चि में हाल ही में संपन्न फेडरेशन कप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले लगभग सभी खिलाड़ियों को टीम में जगह मिली है।दोहरे ओलंपिक पदक विजेता चोपड़ा का इस प्रतियोगिता में शामिल नहीं होना उम्मीद के मुताबिक ही है क्योंकि इस सत्र में उनका ध्यान डायमंड लीग प्रतियोगिताओं और नवंबर में होने वाली विश्व चैंपियनशिप पर होगा।

इसके अलावा एनसी क्लासिक पर भी उनकी नजरें रहेंगी जिसकी मेजबानी वह 24 मई को बेंगलुरु में कर रहे हैं। चोपड़ा ने भुवनेश्वर में 2017 टूर्नामेंट के बाद से इस प्रतिष्ठित महाद्वीपीय प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया है जहां उन्होंने स्वर्ण पदक जीता था। तब से इस दिग्गज भारतीय को नजरें डाइमंड लीग प्रतियोगिताओं, विश्व चैंपियनशिप और ओलंपिक पर रही हैं। महाद्वीपीय चैंपियनशिप के पिछले सत्र में स्वर्ण पदक जीतने वाले राष्ट्रीय रिकॉर्डधारक गोला फेंक खिलाड़ी तेजिंदरपाल सिंह तूर को फेडरेशन कप में निराशाजनक दूसरे स्थान पर रहने के बाद टीम में जगह नहीं मिली है। पोल वॉल्ट खिलाड़ी

देव कुमार मीणा अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार करने के बावजूद टीम में जगह नहीं बना पाए क्योंकि उनका प्रयास भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) द्वारा निर्धारित एशियाई चैंपियनशिप पात्रता स्तर से कम था। अविनाश साबले (पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज), पारुल चौधरी (महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज) और गुलवीर सिंह (5000 मीटर और 10000 मीटर) जैसे शीर्ष खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया गया है। इन्होंने फेडरेशन कप में हिस्सा नहीं लिया था क्योंकि वे एएफआई की अनुमति लेने के बाद विदेश में प्रशिक्षण और प्रतिस्पर्धा कर रहे थे। गुमी में 27-31

मई तक होने वाली एशियाई चैंपियनशिप के लिए टीम में धावक अमिषेफ कुन्नूर भी शामिल हैं जिन्होंने 200 मीटर में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। किक्का खिलाड़ी प्रवीण चित्रावेल को भी टीम में जगह मिली है जिन्होंने फेडरेशन कप के दौरान अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी की थी। महिलाओं की भाला फेंक स्पर्धा में राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक अनू रानी ने मार्च में मुंबई में इंडियन ओपन थ्रो प्रतियोगिता के दौरान 58.82 मीटर के प्रयास के आधार पर टीम में जगह बनाई। यह 32 वर्षीय खिलाड़ी फेडरेशन कप के दौरान एशियाई चैंपियनशिप के 58 मीटर के क्वालीफाइंग स्तर को पार नहीं कर

पाई। हालांकि उन्होंने 56.66 मीटर के प्रयास के साथ स्वर्ण पदक जीता। वह पिछले कुछ समय से 60 मीटर के स्तर तक पहुंचने के लिए संघर्ष कर रही हैं। फेडरेशन कप (21-24 अप्रैल) एशियाई चैंपियनशिप के लिए अंतिम चयन प्रतियोगिता थी और एएफआई ने महाद्वीपीय चैंपियनशिप में चयन के लिए छूट हासिल करने वाले खिलाड़ियों को छोड़कर सभी एथलीटों के लिए इस प्रतियोगिता में प्रतिस्पर्धा करना अनिवार्य कर दिया था। बैंकॉक में पिछले टूर्नामेंट में भारत छह स्वर्ण, 12 रजत और नौ कांस्य के साथ 27 पदक जीतकर जापान और चीन के बाद तीसरे स्थान पर रहा था।

इसरो के पूर्व अध्यक्ष कस्तूरीरंगन का निधन

नई दिल्ली, बेंगलुरु। (भाषा) भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की करीब एक दशक तक बागडोर संभालने वाले इसरो के पूर्व अध्यक्ष के. कस्तूरीरंगन का शुक्रवार को बेंगलुरु में निधन हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। परिवार के सूत्रों ने बताया कि वह 84 वर्ष के थे और उनके परिवार में दो बेटे हैं। पिछले कुछ महीने से वह वृद्धावस्था संबंधी बीमारियों से पीड़ित थे। अधिकारियों ने बताया, आज सुबह बेंगलुरु स्थित उनके आवास पर के. कस्तूरीरंगन का निधन हो गया। अंतिम दर्शन के लिए उनके पार्थिव शरीर को 27 अप्रैल को सन रिसर्च इंस्टीट्यूट (आरआरआई) में रखा जाएगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कस्तूरीरंगन के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए एक्स पर एक पोस्ट में कहा, यह जानकर दुख हुआ कि कृष्णस्वामी कस्तूरीरंगन अब नहीं रहे। इसरो के प्रमुख के रूप में उन्होंने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मुर्मू ने कहा, उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मसौदा तैयार करने में सहायता की, जो अगली पीढ़ी को आकार देने का काम कर रही है। उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कस्तूरीरंगन के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए एक्स पर एक पोस्ट में कहा, भारत की वैज्ञानिक और शैक्षिक यात्रा में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले डॉ. के. कस्तूरीरंगन के निधन से मुझे गहरा दुख हुआ है। उनके दूरदर्शी नेतृत्व और राष्ट्र के प्रति निस्वार्थ योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। प्रधानमंत्री ने



यह कस्तूरीरंगन का करिश्मा ही था जिसने इसरो को कई सफलताएं दिलाई : पूर्व इसरो प्रमुख के सहयोगी

बेंगलुरु (भाषा) भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व प्रमुख के कस्तूरीरंगन के साथ लंबे समय तक काम करने वाले उनके सहयोगियों का कहना है कि वह न केवल अपने कमियों को प्रेरित करते थे, बल्कि उनकी बातों को भी ध्यान से सुना करते थे और यह उनका करिश्मा ही था, जिसने अंतरिक्ष एजेंसी को कई सफलताएं दिलाई। कस्तूरीरंगन का शुक्रवार को बेंगलुरु में निधन हो गया। उनके परिवार के सूत्रों ने बताया कि वह 84 वर्ष के थे और पिछले कई महीनों से वृद्धावस्था संबंधी बीमारियों से पीड़ित थे। उनके परिवार में दो बेटे हैं। कस्तूरीरंगन के साथ 38 साल तक काम करने वाले जवाहरलाल नेहरू प्लेनेटैरियम (जेएनपी) के निदेशक भी आर गुरुप्रसाद ने कहा, इसरो में यह कस्तूरीरंगन का करिश्मा ही था कि चाहे प्रक्षेपण यान हो या उपग्रहों का प्रक्षेपण, सफलताएं उनके कब्जे चुनती थीं। गुरुप्रसाद ने कहा, (इसरो) अस्थ के तौर पर उनके कार्यकाल के दौरान ही पीएसएलवी ने अपनी पहली सफल उड़ान भरी थी और सभी पीएसएलवी (ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान) रॉकेट उपग्रहों को कक्षा में स्थापित करने में सफल रहे। उनके कार्यकाल के दौरान ही जीएसएलवी (भू तटस्थतांतिक प्रक्षेपण यान) ने अपनी पहली सफल उड़ान भरी थी। उन्होंने चंद्रयान पर अध्ययन भी शुरू किया और इसे सफल, वैज्ञानिक समुदाय और इंजीनियरिंग क्षेत्र के दिग्गजों से मंजूरी दिलावाई। गुरुप्रसाद ने यह भी याद किया कि 28 मार्च 2001 को जीएसएलवी के प्रक्षेपण के दौरान, कुछ सुस्था चुक के कारण इसे शुरू में ही रोकना पड़ा था। उन्होंने कहा, मुझे याद है कि वह जब खड़े थे और हमसे इस मुद्दे का विश्लेषण करने के लिए कह रहे थे। हम अंततः 18 अप्रैल 2001 को इसे लॉन्च करने में सफल रहे। उन्होंने फिर से पूरे समय अपना धैर्य बनाए रखा। प्रक्षेपण के बाद ही उन्होंने स्वीकार दिया कि यह उनके जीवन के सबसे लंबे 60 मिनट थे। इसरो के एंटीक्स कॉन्फ़िगरेशन के प्रबंध निदेशक के पद से सेवानिवृत्त हुए के आर श्रीधर मुर्ति ने कहा कि वह एक असाधारण नेतृत्वकर्ता थे, जो हमेशा सभी के प्रति निष्पक्ष रहते थे। मुर्ति ने कहा, मुझे याद है कि पंद्रह से लौटने के बाद मैंने उनसे संपर्क किया था, क्योंकि मुझे इसरो के कार्यक्रमों के लिए प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और उद्योग विकास का ध्यान रखने के लिए क्या गया था।

केरल में पहलगाम हमले पर कथित टिप्पणी के लेकर आईयूएमएल नेता के खिलाफ मामला दर्ज
कासरगोड (केरल)।(भाषा) जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए हालिया आतंकवादी हमले को लेकर टीवी चैनल पर कथित भड़काऊ टिप्पणी करने के मामले में केरल के इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के नेता के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि विश्व हिंदू परिषद (वहिप) के नेता शाजी एस पी की शिकायत पर बशीर वेलिकोट के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 192 (दंगा भड़काने की नीयत से उत्तेजक टिप्पणी करना) के तहत होसदुर्ग थाने में बृहस्पतिवार रात प्राथमिकी दर्ज की गई। शकायतकर्ता के अनुसार, 23 अप्रैल को उन्होंने फेसबुक पर एक टीवी चैनल का पोस्ट देखा जिसमें आईयूएमएल नेता कथित तौर पर ऐसी टिप्पणी कर रहे थे जिससे दंगा हो सकता था। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में यह आतंकवादी हमला हुआ जिसमें 26 लोगों की जान चली गई। यह घाटी में वर्ष 2019 के पुलवामा हमले के बाद सबसे बड़ा आतंकी हमला माना जा रहा है।

पहलगाम हमला आतंकवाद के वैश्विक खतरा होने की याद दिलाता है: धनखड़



उद्गमंडलम (तमिलनाडु)।(भाषा) उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को यहां कहा कि पहलगाम आतंकी हमला यह याद दिलाता है कि आतंकवाद एक वैश्विक खतरा है। उन्होंने कहा कि मानवता को एकजुट होकर इसका सामना करना होगा। धनखड़ ने लोगों से राजनीतिक, व्यक्तिगत और अन्य हिंओं से उभर उठकर राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता देने की अपील की। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे शांतिप्रिय देश है और वसुधैव कुटुंबकम (दुनिया को एक परिवार के रूप में देखने का सिद्धांत) में परिलक्षित इसकी सभ्यता की भावना वैश्विक स्तर पर गूंज रही है। उपराष्ट्रपति ने उधमगंडलम में तमिलनाडु के राज्य, केंद्रीय और निजी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के दो दिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में कहा, हमने इस सम्मेलन की शुरुआत में मौन रखा। मैं पहलगाम में हुए जघन्य हमले पर गहरा दुख और आक्रोश व्यक्त करता हूं, जिसमें निंदीय लोगों को जान चली गई। तमिलनाडु के राज्यपाल आर. एन. रवि और कुलपतियों ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों की याद में उपराष्ट्रपति के साथ एक मिनट का मौन रखा।

मेरे बेटे को घर ले आइए

पाकिस्तान रेजर्स की हिरासत में मौजूद बीएसएफ जवान के माता-पिता ने कहा

हुगली (पश्चिम बंगाल)। (भाषा) सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवान पूर्णम साहू के पाकिस्तान रेजर्स की हिरासत में होने की खबर आने के बाद से उनके (पश्चिम बंगाल के रिसड़ा की संकरे गलियों में स्थित घर पर एक अजीब सी शांति पसरि है। परिवार के लोगों की आंखों से आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे हैं और वे ईश्वर से अपने बेटे के लौटने की दुआ कर रहे हैं। व्याकुल परिवार को बस यही आशा है कि उनके घर का चिराग वापस आ जाए। जवान के पिता भोलानाथ साहू ने कहा, मेरा बेटा देश की सेवा कर रहा था और अब हमें यह भी नहीं पता कि वह सुरक्षित है या नहीं। हमने सुना है कि वह पाकिस्तान की हिरासत में है। पड़ोसी साहू के पास आकर उन्हें सांत्वना देते हैं। उन्होंने कहा, मैं बस यह जानना चाहता हूं कि मेरा बेटा कहां है। क्या वह सुरक्षित है? क्या वह ठीक है? पंजाब के फिरोजपुर सेक्टर में बीएसएफ की 182वीं बटालियन में तैनात पूर्णम साहू वर्दी में थे और उनके पास उनका सर्विस राइफल भी था। बुधवार को वह कथित तौर पर अनजाने में सीमा पार कर गए थे। बीएसएफ अधिकारियों के अनुसार, घटना उस वक्त हुई जब साहू सीमा के पास किसानों के एक समूह की रक्षा के लिए उनके साथ थे। वह एक पेड़ के नीचे आराम करने के लिए चले गए और अनजाने में पाकिस्तानी क्षेत्र में प्रवेश कर गए। उन्हें तुरंत पाकिस्तान रेजर्स ने हिरासत में ले लिया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार रात को पुष्टि की कि साहू की रिहाई को लेकर बातचीत करने के लिए भारतीय और पाकिस्तानी सीमा बलों ने फ्लैग मीटिंग की, लेकिन परिवार को इस बारे में कोई और जानकारी नहीं मिली। भोलानाथ ने थरथराती आवाज में कहा, मेरा बेटा तीन हफ्ते पहले ही छुट्टी से लौटा था। उन्होंने कहा, अब वह फिर से चला गया है और हमें नहीं पता कि अगर वाया होगा, वह कब घर वापस आएगा। अपने दो कमरों वाले संकरे घर में पूर्णम की पत्नी रजनी खबर मिलने के बाद

से मुश्किल से ही बात कर पा रही हैं। उन्होंने दबे स्वर में कहा, उन्होंने मुझे मंगलवार रात को फोन किया था। रजनी ने कहा, वह आखिरी बार था जब मैंने उनकी आवाज सुनी थी। दंपति के सात वर्षीय बेटे को घर के भीतर ही रखा जा रहा है, उसे स्थिति की गंभीरता के बारे में पता नहीं है। रजनी ने रोते हुए पूछा, मैं उस बच्चे को ए कैसे समझाऊं? उन्होंने कहा, वह लगातार पूछता रहता है कि उसके पिता कब वापस आएंगे। परिवार को इस घटना के बारे में अधिकारियों से नहीं, बल्कि पूर्णम के एक सहकर्मी से पता चला। रजनी ने कहा, बुधवार रात आठ बजे उनके एक दोस्त ने फोन किया और जो भी हुआ उसके बारे में हमें बताया। उन्होंने कहा, तब से, हम सो नहीं पाए हैं। हम बस उन्हें वापस चाहते हैं। भोलानाथ ने उस दिन अपने बेटे को फोन करने की कोशिश को याद किया। उन्होंने कहा, फोन करने पर कोई जवाब नहीं मिला। मुझे लगा कि शायद वह व्यस्त होगा। लेकिन बाद में उसके दोस्त ने हमें बताया कि वह अच्छा महसूस नहीं कर रहा था और एक पेड़ के नीचे आराम कर रहा था। तभी उन्होंने (पाकिस्तान रेजर्स) उसे पकड़ लिया। यह घटना ऐसे समय में हुई जब पहलगाम आतंकवादी हमले में उसके दोस्त ने हमें बताया कि वह अच्छा महसूस नहीं कर रहा था और एक पेड़ के नीचे आराम कर रहा था। तभी उन्होंने (पाकिस्तान रेजर्स) उसे पकड़ लिया। यह घटना ऐसे समय में हुई जब पहलगाम आतंकवादी हमले को लेकर दोनो देशों के बीच तनाव पहले से ही बढ़ा हुआ है, जिसमें 26 लोग मारे गए थे। साहू को पाकिस्तान रेजर्स द्वारा पकड़ने की घटना पहलगाम में हुए घातक आतंकवादी हमले के ठीक एक दिन बाद हुई है। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की आकस्मिक सीमा पार करने की घटना असामान्य नहीं है और आमतौर पर कूटनीतिक माध्यमों से इन्हें हल कर लिया जाता है। हालांकि, परिवार अनहोनी की आशंका को लेकर डरा हुआ है। रजनी ने कहा, हमारी सरकार से बस एक ही विनती है। उन्हें घर ले आइए। चाहे जो भी करना पड़े – बस उन्हें घर ले आइए।

कहा कि कस्तूरीरंगन ने इसरो में बहुत लगन से काम किया और भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को नई उन्चाइयों पर पहुंचाया जिसकी वजह से अंतरिक्ष के क्षेत्र में देश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली। मोदी ने कहा, उनके नेतृत्व में महत्वाकांक्षी उपग्रह प्रक्षेपित हुए और नवाचार पर ध्यान केंद्रित किया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) का मसौदा तैयार करने में डॉ. कस्तूरीरंगन के प्रयासों तथा शिक्षा को अधिक समग्र एवं दूरदर्शी बनाने की उनकी कोशिशों को लेकर राष्ट्र हमेशा उनका आभारी रहेगा। उन्होंने कहा, मेरी संवेदनाएं उनके परिवार, छात्रों, वैज्ञानिकों और अनगिनत प्रशंसकों के साथ हैं। ओम शांति। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने कहा कि अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत का परचम लहराने वाले प्रसिद्ध खगोल वैज्ञानिक कस्तूरीरंगन का निधन स्तब्ध कर देने वाला है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में रह रहे डॉ. कस्तूरीरंगन को इस राज्य से बहुत प्रेम था। सिद्धरमैया ने कहा, इसरो के अध्यक्ष और केंद्र की अंतरिक्ष परिषद के निदेशक के रूप में डॉ. कस्तूरीरंगन की दीर्घकालिक सेवा ने अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई। उन्होंने कहा कि डॉ. कस्तूरीरंगन के परिवार के सदस्यों और प्रशंसकों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। कस्तूरीरंगन भारत के पहले दो प्रायोगिक भू अवलोकन उपग्रहों -- भास्कर और 2 के लिए परियोजना निदेशक थे। बाद में, उपयोग में लाए गए पहले भारतीय सुदूर संवेदन उपग्रह,

आईआरएस-1। ए को समग्र दिशानिर्देश देने की जिम्मेदारी भी उन्होंने निभाई। उन्हें पद्म श्री (1982), पद्म भूषण (1992) और पद्म विभूषण (2000) से सम्मानित किया गया। पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा ने भी कस्तूरीरंगन के निधन पर दुःख बताया। उन्हें एक प्रख्यात वैज्ञानिक, विज्ञान प्रशासक और शिक्षाविद बताते हुए उन्होंने कहा कि भारत के वैज्ञानिक विकास में अंतरिक्ष वैज्ञानिक के योगदान को लंबे समय तक याद रखा जाएगा। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) पर मसौदा समिति के अध्यक्ष रहे कस्तूरीरंगन ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के कुलाधिपति और कर्नाटक नॉलेज कमिशन के अध्यक्ष के रूप में भी सेवा दी थी। उन्होंने राज्यसभा सदस्य (2003 से 2009 तक) और योजना आयोग (नीति आयोग के पूर्ववर्ती) के सदस्य के रूप में भी सेवाएं दी थीं। कस्तूरीरंगन अप्रैल 2004 से 2009 तक नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ़ एडवांस्ड स्टडीज, बेंगलुरु के निदेशक भी रहे थे। पूर्व इसरो प्रमुख का जन्म 24 अक्टूबर 1940 को केरल के एर्नाकुलम में सी. एम. कृष्णास्वामी अय्यर और विशालाक्षी के घर हुआ था। तमिलनाडु से ताल्लुक रखने वाला उनका परिवार त्रिशूर जिले के चालाकुडी में बस गया था। उनकी मां पलक्कड़ अय्यर परिवार से थीं। कस्तूरीरंगन ने 27 अगस्त 2003 को सेवानिवृत्त होने से पहले, इसरो अध्यक्ष, अंतरिक्ष आयोग के प्रमुख और अंतरिक्ष विभाग के सचिव के रूप में नौ वर्षों से अधिक समय तक भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम को शानदार तरीके से आगे बढ़ाया।

भाजपा नेता का आसनसोल में वक्त अधिनियम विरोधी रैली में पाकिस्तान समर्थक नारेबाजी का दावा

आसनसोल (पश्चिम बंगाल), (भाषा) पश्चिम बंगाल भाजपा के एक नेता ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि आसनसोल में वक्फ संरक्षण अधिनियम के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान पाकिस्तान समर्थक नारे लगाए गए, जिसके बाद उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में भाजपा के आसनसोल जिला सचिव अभिजीत राय ने आरोप लगाया कि बृहस्पतिवार को शहर के रेलपार इलाके में विरोध प्रदर्शन के दौरान देश विरोधी नारे लगाए गए। उन्होंने मामले की उचित जांच की मांग की। पश्चिम बर्धमान जिले के आसनसोल उत्तर थाने के प्रभारी अधिकारी को दी गई अपनी शिकायत में राय ने कहा, ैं आससे मामले की गहन जांच शुरू करने का आग्रह करता हूं। उन्होंने कहा कि कथित पाकिस्तान जिंदाबाद नारे का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। उन्होंने कहा कि किफाय की एक प्रति उनको शिकायत के साथ संलग्न है। भाजपा के नेता अमित मालवीय ने भी अपने एक्स हैंडल पर वीडियो साझा किया। पीटीआई स्वतंत्र रूप से वीडियो की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं करता। सोशल मीडिया पोस्ट में मालवीय ने इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री मनता बर्नजी को भी आलोचना की।

भोपा। (भाषा) मध्यप्रदेश के भोपाल में एक निजी कॉलेज की तीन लड़कियों के साथ कथित तौर पर बलात्कार और ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने पहचान छिपाकर लड़कियों से दोस्ती की और उनके साथ बलात्कार किया। पुलिस ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। भोपाल के पुलिस आयुक्त एच सी मिश्रा ने पीटीआई-भापा को बताया कि पुलिस ने इस अपराध के सिलसिले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है और इसकी जांच के लिए पुलिस की एक विशेष चार्ज टीम (एसआईटी) का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि फरार तीसरे आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। अधिकारी ने बताया कि तीनों के खिलाफ योग्य अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम एवं मध्यप्रदेश धर्म स्वतंत्रता अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस के अनुसार, आरोपियों में से एक फहान अली उर्फ फराज एक का पूर्व छात्र है और उसने दो साल पहले अपने पहचान छिपाकर एक लड़की से दोस्ती की थी, जब वह नाबालिग थी। उन्होंने बताया कि उसने कथित तौर पर उसके साथ बलात्कार किया और उसका वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल करने लगा।

वे इंसान नही, राक्षस थे: पिता और अंकल को खोने वाली महिला ने बयान किया भयानक मंजर

पुणे। (भाषा) जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले में अपने पिता संतोष जगदाले और अंकल कौरसुभ गणबोटे को खोने वाली आसावारी जगदाले ने इस भयावह घटना को बयान करते हुए कहा कि हमलावर इंसान नहीं बल्कि राक्षस थे। मंगलवार दोपहर को दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम में आतंकवादियों की गोलीबारी में कम से कम 26 लोग मारे गए और कई लोग घायल हो गए। इस हमले ने पूरे देश को झकझोर दिया है और दुनिया भर में इसकी निंदा की गई है। आसावारी ने कहा, वे इंसान नहीं, राक्षस थे। आसावारी ने ऐसी मुश्किल घड़ी में अद्भुत साहस का परिचय देते हुए घटनास्थल पर और बाद में अस्पताल में न केवल खुद को बल्कि अपनी मां और आंटी (गणबोटे की पत्नी) संगीता को भी संभाला।आसावारी ने बताया, हम बैसरन घाटी में मिनी स्विटजरलैंड कह जाने वाली जगह पर फोटोशूट कर रहे थे, तभी अचानक गोलियों की आवाज आई। हमने कुछ स्थानीय लोगों से पूछा, तो उन्होंने कहा कि स्थानीय लोग बाघों को भगाने के लिए गोलियां चलाते हैं। लेकिन जैसे ही हमने देखा कि लोग मारे जा रहे थे और कहीं आंटी बचती नहीं रह गई, हमें समझ में आ गया कि यह कुछ और था। आसावारी ने बताया, एक आतंकवादी, जो करीब बीस साल का था, उसने मेरे पिता से खड़े होने को कहा। मेरे पिता ने उससे अपील की कि उन्हें नुकसान न पहुंचाए। उसने एकदम टंडे लहजे में कहा कि वह हमें दिखाएगा कि उन्हें कैसे मारना है। इतना कहकर उसने तीन गोलियां

अबीर गुलाल के गाने खुदाया इश्क और अंग्रेजी रंगारसिया यूट्यूब से हटाए

नई दिल्ली। (भाषा) पाकिस्तानी अभिनेता फवाद खान अभिनीत हिंदी फिल्म अबीर गुलाल के दो गानों को यूट्यूब से हटा दिया गया है। फवाद की आने वाली फिल्म अबीर गुलाल पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद विवादों में आ गई है। इस फिल्म में वाणी कपूर भी हैं। मंगलवार, 22 अप्रैल को दक्षिण कश्मीर के पर्यटन केंद्र पहलगाम के निकट बैसरन घाटी में आतंकवादियों ने गोलीबारी की, जिसमें 26 लोग मारे गए। इनमें अधिकतर पर्वटक थे। फिल्म के पहले गाने खुदाया इश्क का आधिकारिक वीडियो, आतंकी हमले के बाद उठे विवाद के मद्देनजर अब यूट्यूब पर देखने के लिए उपलब्ध नहीं है।दिस गेमॉफिक गाने को अरिजीत सिंह और शिल्पा राव ने गाया है जिसे 14 अप्रैल को सोशल मीडिया पर जारी किया गया था। दूसरा गीत, अंग्रेजी रंगारसिया 18 अप्रैल को जारी किया गया। यह गाना भी यूट्यूब पर उपलब्ध नहीं है। हालांकि अन्य उपयोगकर्ताओं द्वारा साझा किए गए, गीत के छोटे किफ़ एअर् भी सोशल मीडिया मंच पर मौजूद हैं।अबीर गुलाल कि निर्माण ए रिचर लेंस एंटरटेनमेंट ने इंडियन स्टोरीज प्रोडक्शन और आरजय पिक्चर्स के सहयोग से किया है। विवेक बी अग्रवाल, अवंतिका हरि और राकेश सिप्पी फिल्म के निर्माता हैं।फिल्म निर्माता और सारंगमा टिप्पणी के लिए उपलब्ध नहीं थे।सरकारी सूत्रों ने बृहस्पतिवार बताया कि फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज नहीं होने दिया

जाएगा। यह फैसला फिल्म पर प्रतिबंध लगाने की बढ़ती मांग के बीच लिया गया है, जिसका प्रीमियर नौ मई को भारतीय सिनेमाघरों में होना था।बुधवार को फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज (एफडब्ल्यूआईसीई) ने भी पाकिस्तानी कलाकारों पर प्रतिबंध लगाने के अपने निदेश दोहराए।एफडब्ल्यूआईसीई ने एक बयान में कहा, पहलगाम में हाल ही में हुए हमले के मद्देनजर एफडब्ल्यूआईसीई एक बार फिर किसी भी भारतीय फिल्म या मनोरंजन परियोजनाओं में भाग लेने वाले सभी पाकिस्तानी कलाकारों, गायकों और तकनीशियनों का पूर्ण बहिष्कार करने के लिए पाेच्छ है।

प्रोफेसर पर हमला किया

शिलांग।नगालैंड में स्थित नार्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी (एनईएचयू) के हिंदी के प्रोफेसर को उस समय मामूली चोटें आईं, जब एक छात्र नेता और उसके साथियों ने कथित तौर पर उन्हें उनके कार्यालय कक्ष में बंद कर दिया और उन पर कैंची से हमला कर दिया। पुलिस ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि यह घटना बृहस्पतिवार शाम को उस वक्त हुई, जब हिंदी विभाग के प्रोफेसर आलोक सिंह अपने कार्यालय में थे और छात्र नेता एवं उनके साथियों ने उन पर हमला कर दिया। पूर्वी खासी हिल्स जिले के पुलिस अधीक्षक ने कहा कि इस मामले में एक प्राथमिकी मिली है।

रवानी, गुटफ एवं एकशक लैय्यद हसन परवेज जैदी द्वारा अवास पब्लिकेशन, सबा कगलैक्स, सुर्गम नगर, लखनऊ से मुद्रित एवं ई-5106 सेक्टर-2 राजगीपुरम लखनऊ से प्रकाशित।

सम्पादक: लैय्यद हसन परवेज जैदी, कार्यकारी सम्पादक: कमलेश कुमार श्रीवास्तव

आरएनआई: UPHIN/2016/67170 सम्मत विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ मे।गो।

